Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 22 March 2025 ● Year : 03 ● Issue : 66 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

कुछ सपनों के मर जाने से
जीवन नहीं मरा करता है।
–गोपाल दास नीरज

Sonam Kapoor's Baby Boy Vayu...

इफ्तार (शनिवार) : 06:03
सेहरी (रविवार) : 04:33

SHARE

सेंसेक्स	:	76,905.51
निफ्टी	:	23,350.40

SARAFA

सोना	:	8,460
चांदी	:	112.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

रिश्वत लेने के आरोप में पावर ग्रिड के वरिष्ठ महाप्रबंधक अरेस्ट

NEW DELHI : केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के वरिष्ठ महाप्रबंधक उदय कुमार को मुंबई की कंपनी केईसी इंटरनेशनल के एक अधिकारी से 2.4 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राजस्थान के अजमेर में तैनात कुमार को सीकर में केईसी इंटरनेशनल के सुमन सिंह के साथ गिरफ्तार किया गया, जहां दोनों कथित तौर पर रिश्वत की रकम के लेनदेन के लिए मिलने के वास्ते सहमत हुए थे।
सीबीआई के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, यह रिश्वत कथित तौर पर पीएसयू (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम) द्वारा निजी कंपनी को दिये गये अनुबंधों से संबंधित बिलों की मंजूरी के वास्ते अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए दी गई थी। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने उन परिसरों में छापेमारी की जहां कुमार और सिंह को रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था।

पाकिस्तान ने आठ लाख से अधिक अफगानों को भेज दिया वापस

PESHAWAR : पाकिस्तान में अवैध रूप से रह रहे अफगान नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया लगातार जारी है और 20 मार्च तक आठ लाख से अधिक लोगों को उनके देश वापस भेजा जा चुका है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान सरकार ने 31 मार्च की समय-सीमा तय की है, जिसके तहत अवैध रूप से रह रहे लोगों और अफगान नागरिक कार्ड धारकों को देश छोड़ना होगा। इसी के तहत अब तक 8,74,282 अफगानों को पाकिस्तान से वापस भेजा गया है। सरकार ने यह कदम आतंकवाद से जुड़ी चिंताओं के चलते उठाया है। अधिकारी ने आश्वासन दिया कि इस प्रक्रिया में किसी के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा।

झमाझम बारिश से रांची सहित कई जिलों का 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरा पारा

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में तेज हवाओं और मूसलाधार बारिश से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। बारिश के कारण रांची में तापमान लगभग 10 डिग्री गिरकर 34 डिग्री से 24 डिग्री तक पहुंच गया, जिससे लोगों को एकबार फिर से ठंड का एहसास हो रहा है। मौसम में आए इस बदलाव से लोगों को एक बार फिर से गर्म कपड़े निकालने पड़े। बारिश के बाद मौसम तो साफ हो गया, लेकिन बादल बने रहे और बीच-बीच में सूरज की किरणें भी निकलीं। हालांकि दोपहर बाद जमकर बारिश हुई। इस वजह से सड़कों पर भी जल जमाव का नजारा देखने को मिला।

- तेज हवाओं के साथ गुरुवार शाम से हो रही वर्षा, कई स्थानों पर पड़े ओले
- फिर से होने लगा ठंड का एहसास, सड़कों पर कई जगह दिखा जल-जमाव
- आज व कल के लिए भी मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज और येलो अलर्ट
- 40-50 किलोमीटर की स्पीड से हवा चलने की भी जताई जा रही संभावना

इन जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग के अनुसार, 22 और 23 मार्च को भी राज्य के विभिन्न हिस्सों में तेज हवा, बारिश और ओलावृष्टि का अनुमान है। विभाग ने 22 मार्च के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसके तहत दक्षिणी जिलों जैसे पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, रांची, खूंटी, गुमला, रामगढ़, हजारीबाग और उत्तर-पूर्वी जिलों देवघर, धनबाद, दुमका सहित अन्य इलाकों में गर्जन के साथ 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलने की संभावना जताई गई है।

इन जिलों के लिए येलो अलर्ट

कुछ जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इसके अलावा 23 मार्च के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें दक्षिण-पूर्वी और उत्तर-पूर्वी जिलों में 30-40 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलने और गर्जन की संभावना है। मौसम विभाग ने इस दौरान बारिश और तेज हवा के चलते सुरक्षा को लेकर जनता से सतर्क रहने की अपील की है।

बजट सत्र विधानसभा में कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने गोड्डा से जुड़ा उठाया था मामला

नर्सिंग कॉलेज के मुद्दे पर उलझ गए दो मंत्री, हुई तीखी बहस

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के 15वें दिन सदन की कार्यवाही 11:05 बजे शुरू हुई। इस दौरान सरकार के दो मंत्रियों- सुदिव्य कुमार सोनू और डॉ. इरफान अंसारी आपस में उलझ गए। कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने सदन में सवाल किया कि गोड्डा में अब तक एक भी नर्सिंग कॉलेज नहीं खुला है। उन्होंने पूछा कि वहां नर्सिंग कॉलेज कब तक शुरू होगा और क्या उसका भवन पहले से तैयार है।
इस पर मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि गोड्डा में नर्सिंग कॉलेज नहीं है। मैं बहुत जल्द गोड्डा को नर्सिंग कॉलेज की सौगात दूंगा। उन्होंने कहा कि छह माह के अंदर करवाने की कोशिश करेंगे। अगर भवन बन गया हो तो। विधायक प्रदीप यादव बहुत टर्म से विधायक रहे हैं। इस पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से कहा कि सदन में कटाक्ष की भाषा नहीं होनी चाहिए। इस पर इरफान ने जवाब दिया कि सोनू जी बहुत जानकार हैं और हर चीज में कूदने लगते हैं। इस पर मंत्री सुदिव्य सोनू ने कहा कि यह सदन है। यह किसी की व्यक्तिगत संपत्ति नहीं है। विधायक प्रदीप यादव ने इस मामले पर कहा कि सुदिव्य सोनू ने सदन की मयार्दा का ख्याल रखते हुए अपना वक्तव्य दिया है। इस सवाल को टालिए मत, सीधे जवाब मिलना चाहिए। उन्होंने सुदिव्य कुमार सोनू को धन्यवाद दिया।

सुदिव्य कुमार ने इरफान अंसारी से कहा- सदन में नहीं होनी चाहिए कटाक्ष की भाषा
इरफान ने दिया जवाब, सोनू जी बहुत जानकार हैं और हर चीज में कूदने लगते हैं

हजारीबाग मिशन ग्राउंड का उठा मुद्दा

हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने विधानसभा में हजारीबाग मिशन ग्राउंड का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि सरकार यह मानती है कि मिशन ग्राउंड खास महल की जमीन है। लेकिन उसे अतिक्रमण मुक्त नहीं किया जा रहा है। इसके जवाब में मंत्री दीपक बिरुवि ने सदन को जानकारी दी कि मिशन ग्राउंड का मामला अदालत में लंबित है। अदालत का फैसला आने के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई की जायेगी।

लंबे समय से टाला जा रहा मामला

विधायक प्रदीप प्रसाद ने सदन को बताया कि मिशन ग्राउंड की जमीन पर जिन लोगों ने कब्जा कर रखा है, उनमें कुछ पदाधिकारी भी शामिल हैं। लंबे समय से अदालत में इस मामले को टाला जा रहा है। सरकार को इस मामले में हस्तक्षेप करना चाहिए।
विधायक ने यह भी मांग की कि मिशन ग्राउंड को अतिक्रमण मुक्त कर इसे सजाया-संवारा जाये। क्योंकि यह ग्राउंड हजारीबाग शहर के लिए महत्वपूर्ण है।

राज्यसभा में गूंजा हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आवास से 'नकद बरामदगी' का मुद्दा

NEW DELHI @ PTI : शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक मौजूदा न्यायाधीश के आवास से कथित तौर पर नकद की बरामदगी से संबंधित मामला राज्यसभा में उठाया गया। सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर एक व्यवस्थित चर्चा आयोजित करने का रास्ता निकालेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दिल्ली हाई कोर्ट के जिस न्यायाधीश के आवास पर कथित तौर पर यह नकद मिली है, सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने उन्हें उनके पैतृक इलाहाबाद हाई कोर्ट में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। कांग्रेस के जयराम रमेश ने सुबह के सत्र में यह मुद्दा उठाते हुए न्यायिक जवाबदेही पर सभापति से जवाब मांगा और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के खिलाफ महाभियोग के संबंध में लंबित नोटिस के बारे में याद दिलाया। रमेश ने कहा, आज सुबह, हमने दिल्ली उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के आवास पर भारी मात्रा में नकद पाए जाने के चौंकाने वाले मामले के बारे में पढ़ा। उन्होंने यह भी बताया कि इससे पहले, 50 सांसदों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों के संबंध में सभापति को एक नोटिस सौंपा था। रमेश ने कहा कि सभापति ने खुद बार-बार न्यायिक जवाबदेही की तात्कालिकता के बारे में बात की है। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य ने धनखड़ को यह भी याद दिलाया कि उन्होंने इस मुद्दे पर सदन के नेता को निर्देश दिया था। उन्होंने कहा,मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया इस पर कुछ टिप्पणियां करें और न्यायिक जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रस्ताव के साथ आने के लिए सरकार को आवश्यक निर्देश दें। नकद की कथित बरामदगी के मुद्दे पर धनखड़ ने कहा कि उन्हें जिस बात की चिंता है, वह यह है कि यह घटना हुई, लेकिन तत्काल सामने नहीं आई। उन्होंने कहा कि अगर ऐसी घटना किसी राजनेता, नौकरशाह या उद्योगपति से जुड़ी होती तो संबंधित व्यक्ति तुरंत निशाना बन जाता। उन्होंने ऐसे मामलों में ऐसी प्रणालीगत प्रतिक्रिया की वकालत की जो पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी हो।

- सभापति जगदीप धनखड़ बोले- वह इस मुद्दे पर एक व्यवस्थित चर्चा आयोजित करने का निकालेंगे रास्ता
- कांग्रेस के सदस्य जयराम रमेश ने सुबह के सत्र में उठाया था यह मामला

सदन और विपक्ष के नेता से करेंगे बात : सभापति ने आगे कहा कि वह सदन के नेता और विपक्ष के नेता से संपर्क करेंगे और सत्र के दौरान व्यवस्थित चर्चा के लिए तंत्र तलाशेंगे। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के आवास से कथित तौर पर भारी नकदी बरामद होने पर एक वरिष्ठ वकील ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष दुख और हैरानी जताई।

बीमारियों से बचाव के लिए जीवनशैली में बदलाव और डाइट में शामिल करें मिलेट्स : हेमंत सोरेन

- राउंड टेबल ऑन प्रीवेंटिंग चाइल्डहुड नॉन कम्युनिकेबल डिजीज थ्रू हेल्दी डाइट्स में शामिल हुए मुख्यमंत्री
- तेजी से बढ़ रहीं डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग व अस्थमा जैसी बीमारियां

कार्यक्रम में भाग लेते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने झारखंड विधानसभा में यूनिसेफ द्वारा आयोजित राउंड टेबल ऑन प्रीवेंटिंग चाइल्डहुड नॉन कम्युनिकेबल डिजीज थ्रू हेल्दी डाइट्स कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने गैर-संचारी बीमारियों से बचाव के लिए जीवनशैली में बदलाव और खानपान में लोकल इंडिजिनस फूड्स (मिलेट्स) के अधिक उपयोग पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजकल जीवनशैली, खानपान, पर्यावरण और जेनेटिक कारणों से डायबिटीज, कैंसर, हृदय रोग व अस्थमा जैसी कई गैर संचारी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हर घर में कमोबेश ये बीमारियां देखने को मिल रही हैं। यदि हम अपनी स्वास्थ्य की देखभाल नहीं करेंगे तो ये बीमारियां गंभीर खतरा बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि इन बीमारियों से बचाव के लिए स्वस्थ आहार और शारीरिक गतिविधियों को अपनाना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में मंत्री योगेंद्र महतो, मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, यूनिसेफ की आस्था अलंग, डॉ कनीनिका मित्रा और अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

भारत ने कोयला उत्पादन में एक अरब टन का पार किया आंकड़ा, पीएम ने की सराहना

NEW DELHI : केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत ने कोयला उत्पादन में एक अरब टन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। रेड्डी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारत ने कोयला उत्पादन में एक अरब टन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की एक अरब टन कोयला उत्पादन की ऐतिहासिक उपलब्धि की सराहना की है। केंद्रीय मंत्री रेड्डी ने एक्स पोस्ट में बताया कि देश ने एक बिलियन टन कोयला उत्पादन का ऐतिहासिक आंकड़ा पार कर लिया है।

न्यू स्टडी ओजोन छिद्रों का धीरे-धीरे भरना भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत

पिछले कुछ सालों में धरती की सुरक्षा परतों में दिखा अपेक्षित सुधार

PHOTON NEWS, RESEARCH DESK : सूर्य और पृथ्वी के बीच मौजूद ओजोन परत सूर्य से आने वाली हानिकारक किरणों को रोक कर धरती पर जीवन की रक्षा करती है। वैज्ञानिक दृष्टि से ऑक्सीजन प्राण वायु है और इसके दो परमाणु मिलकर इसका एक अणु बनाते हैं। जब ऑक्सीजन के तीन परमाणु मिलते हैं, तो ओजोन का एक अणु बनता है। ओजोन के अणु आपस में मिलकर ओजोन परत बनाते हैं, जो हानिकारक गैसों को भी पृथ्वी तक पहुंचने से रोकती है। इससे जीवों की सेहत पर नकारात्मक असर नहीं पड़ता है। पिछले दशकों में मानव गतिविधियों के कारण ओजोन परत धीरे-धीरे कमजोर हो रही थी और इसमें छिद्र बन गए थे।
हाल के अध्ययन में यह महत्वपूर्ण जानकारी मिली है कि पिछले कुछ वर्षों में धरती कि इस सुरक्षा परत में सुधार हुआ है। इसके छिद्र धीरे-धीरे भर रहे हैं। रिपोर्ट में यह स्पष्ट रूप से बताया गया है कि अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत में सुधार दिखा रहा है। यह मजबूत हो रही है। इससे पहले भी वैज्ञानिकों ने इसमें सुधार के संकेत देखे थे, लेकिन यह पहली सटडी है, जो यह साबित करती है कि यह रिकवरी मुख्य रूप से हानिकारक रसायनों में आई कमी के कारण हुई है। इसमें जलवायु परिवर्तन या मौसम के बदलाव की कोई भूमिका नहीं है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) से जुड़े शोधकताओं ने यह विशेष अध्ययन किया है। उनका कहना है कि यह इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक स्तर पर उठाए गए कदम जिनका उद्देश्य ओजोन हानिकारक रसायनों को कम करना था, प्रभावी साबित हुए हैं। मतलब साफ है कि कारगर कदम उठाकर पर्यावरण संबंधी समस्याओं को नियंत्रित किया जा सकता है। इस अध्ययन के निष्कर्ष विस्तार से अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर में प्रकाशित हुए हैं।

प्रदूषण के कारण उत्पन्न होने वाले हानिकारक और खतरनाक गैसों में आ रही कमी
क्लोरो-फ्लोरो कार्बन की मात्रा में गिरावट से घटेगा जीवों के लिए बढ़ रहा संकट

- मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया विशेष अध्ययन
- अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर में विस्तार से किया गया है उठाए गए कदमों का विश्लेषण
- वैज्ञानिकों ने बताया है कि कारगर प्रयास से पर्यावरण संबंधी समस्याओं पर नियंत्रण संभव
- विश्व मौसम विज्ञान संगठन के अनुसार, मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ने निभाई अहम भूमिका

अल्ट्रा वायलेट किरणों का अवशोषण

वैज्ञानिकों के अनुसार, पृथ्वी के चारों ओर विभिन्न गैसों से बना वायुमंडल कई परतों में विभाजित रहता है। सतह से दूसरी परत जिसे समताप मंडल (स्ट्रेटोस्फीयर) कहा जाता है, में 15 से 30 किलोमीटर की ऊंचाई पर ओजोन गैस घनी मात्रा में उपलब्ध होती है। यह वायुमंडल में मौजूद कुल ओजोन का लगभग 90 फीसदी भाग बनाती है। यही परत सूर्य से आने वाली पराबैंगनी (अल्ट्रा वायलेट) किरणों को अवशोषित कर पृथ्वी पर जीवन को बचाने में बड़ी भूमिका निभाती है।

सुधार के मिले हैं ठोस प्रमाण

एमआईटी की प्रोफेसर और प्रमुख शोधकर्ता सुसान सोलोमन का कहना है कि इस बात के ठोस प्रमाण मिले हैं कि अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन परत में सुधार हो रहा है। यह पहली बार है जब 95 फीसदी विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि ओजोन छिद्र भर रहा है। यह एक बेहद सकारात्मक संकेत है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने भी पुष्टि की है कि ओजोन परत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल ने इस सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बेहतर इलाज के लिए वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर विशेष विमान से भेजे गए दिल्ली

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राज्य वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर को बेहतर इलाज के लिए विशेष विमान से नई दिल्ली ले जाया गया। इससे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट के स्टेट हैंगर में उनसे मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। बता दें कि दो दिन पहले वित्त मंत्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी और उन्हें उपचार के लिए ऑर्किड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जानकारी के अनुसार, उन्हें खांसी की समस्या बढ़ गई थी, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय लिया। राधाकृष्ण किशोर को पल्मोनरी विभाग के विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया था। डॉक्टरों ने उनकी स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें 24 घंटे निगरानी में रखने का निर्णय लिया था।
प्रबंधन की ओर से बताया गया था कि मंत्री की हालत स्थिर है और इलाज जारी है। डॉक्टरों का कहना था कि पूरी तरह से स्वस्थ होने के बाद ही अस्पताल से छुट्टी देंगे। अस्पताल प्रशासन ने यह भी कहा था कि उनकी तबीयत के बारे में सभी अपडेट समय-समय पर सार्वजनिक किए जाएंगे। राधाकृष्ण किशोर के समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

एयरपोर्ट पर राधाकृष्ण किशोर से मिलते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ● फोटोन न्यूज

चतरा में युवक की हत्या के विरोध में आक्रोशित लोगों ने शहर को कराया बंद

गुरुवार की रात दिभा मोहल्ला में कुछ युवकों ने धारदार हथियार से किया था हमला

AGENCY CHATRA : युवक की हत्या के विरोध में शुक्रवार को चतरा शहर बंद करा दिया गया। सुबह से ही काफी संख्या में आक्रोशित लोग सड़क पर उतरकर मेन रोड सहित चतरा जिला मुख्यालय की सभी दुकानों को बंद करा दिया। विधि व्यवस्था को लेकर घटनास्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। बीती रात दिभा मोहल्ला निवासी युवक अंकित को कुछ लोगों ने धारदार हथियार से मारकर घायल कर दिया था। पुलिस ने युवक को चतरा सदर अस्पताल इलाज के लिए लाया। उसके बाद हजारीबाग रेफर किया गया। बेहतर इलाज के लिए युवक को रिम्स रांची भेजा गया। जहां उसकी इलाज के दौरान शुक्रवार

बाजार बंद कराते लोगों को समझाते पुलिस पदाधिकारी व इनसेट में मृतक की फाइल फोटो

को मौत हो गई। इससे नाराज लोग सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किये। साथ ही हत्यारों की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। हालांकि इस मामले को लेकर चतरा एसपी विकास पांडेय ने अभियान एसपी के नेतृत्व में एसआईटी का गठन किया है। हत्यारों के अविलम्ब गिरफ्तारी की मांग को लेकर शहर की दुकानों को आक्रोशित लोगों ने बंद करा दिया। शहर में सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गये हैं। मेन रोड में आक्रोशित लोगों को समझा बुझा कर शांत कराने के प्रयास में पुलिस और प्रशासन के अधिकारी जुड़े हुए हैं। घटना को लेकर शहर में आक्रोश का माहौल है।

उल्लेखनीय है कि गत गुरूवार की रात चतरा शहर के जामा मस्जिद के समीप दो गुटों में मारपीट हुई थी। इस घटना से यहां अफरातफरी का माहौल हो गया। देखते देखते सारा शहर बंद हो गया। जानकारी मिलते ही पुलिस पहुंची और घायल युवक को सदर अस्पताल पहुंचाया। दीभा निवासी अंकित गुप्ता घर का इकलौता चिराग था। एएसपी अभियान रित्विक श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस कई संदिग्ध लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। एसडीपीओ संदीप सुमन ने बताया कि सदर थाना क्षेत्र के शहरी क्षेत्र में पत्थलदास मंदिर के पास गुरुवार रात मारपीट की सूचना प्राप्त हुई। घायल व्यक्ति को सदर अस्पताल चतरा भेजा गया था। वहां से बेहतर इलाज के दौरान रिम्स में घायल अंकित कुमार की मौत हो गई। मारपीट करने वाले निलेश कुमार गुप्ता, मिलन गुप्ता, सुमित कुमार गुप्ता सहित अन्य की पहचान की गई है। सरस्वती पूजा के समय भी लड़की को लेकर दोनों पक्षों के बीच आपसी विवाद हुआ था। कुछ का आपराधिक इतिहास भी रहा है। घटना में शामिल लोग जल्द गिरफ्तार होंगे।

वहीं दूसरी ओर चतरा विधायक जनार्दन पासवान ने विधि व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरा है और कहा है कि रिम्स में समुचित इलाज होता तो युवक की जान बच जाती। चतरा शहर में प्रशासन की विधि व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं है। नक्सली समाप्त हो रहे हैं लेकिन गुंडागर्दी बढ़ रही है।

सैनिक अस्पताल में चल रहा हवलदार सूरज राय का इलाज

JAMSHEDPUR : होली के दिन 14 मार्च को जुगसलाई थाना पुलिस ने कश्मीर के अखनूर सेक्टर में तैनात बागबेड़ा निवासी सैनिक सूरज राय और उनके चचेरे भाई विजय राय को जेल भेज दिया था। आरोप है कि जेल भेजने से पहले थाने पर सूरज राय के साथ मारपीट भी की गई थी। जेल से छूटने के बाद सेना के अधिकारी हवलदार सूरज राय को अपने साथ रांची ले गए हैं। रांची में सेना के अस्पताल में सूरज राय का इलाज चल रहा है। कहा जा रहा है कि जुगसलाई थाने में हुई मारपीट के बाद सूरज राय की हालत ठीक नहीं है। इसी के चलते उसे सेना के अस्पताल में भर्ती कर इलाज किया जा रहा है।

पुलिस पर एकतरफा कार्रवाई का आरोप : पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सुशील कुमार का कहना है कि पुलिस ने इस मामले में एकतरफा कार्रवाई की है। अगर मान भी लिया जाए कि हवलदार सूरज राय के चचेरे भाई विजय राय का जुगसलाई थाने की गाड़ी चलाने वाले ड्राइवर से कुछ विवाद हुआ था, तो पुलिस ने एकतरफा कार्रवाई क्यों की। पूर्व सैनिकों का कहना है कि पुलिस ने ड्राइवर को साफ बचा लिया। उसका कहीं नाम भी सामने नहीं आया। पूर्व सैनिकों का कहना है कि जुगसलाई थाना की पुलिस ने फोन करके सूरज राय को बुलाया, इसके बाद सूरज राय और विजय राय थाने पहुंचे थे।

● जमशेदपुर पुलिस की एकतरफा कार्रवाई से पूर्व सैनिकों में भारी नाराजगी

जिस समय गिरफ्तारी दिखाई गई उस समय बागबेड़ा में थे हवलदार

कहा जा रहा है कि जिस समय सूरज राय और विजय राय की गिरफ्तारी की बात कही जाती रही है, उस समय सूरज राय बागबेड़ा में एक दुकान पर चाय पी रहे थे और उन्होंने ऑनलाइन पेमेंट भी किया। यह भी कहा जा रहा है कि जो घटनास्थल है, वह बागबेड़ा में है, लेकिन जुगसलाई थाना की पुलिस ने जबरन मामले में कार्रवाई की है।

BRIEF NEWS

बारिश व ओलावृष्टि से फसल हुई बर्बाद

LOHARDAGA : लोहरदगा जिला मे लगातार हो रही तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि होने से किसानों के फसलों को भारी नुकसान हुआ है। खेतों में लगी सब्जियों को नुकसान हुआ और तेज गति से हवा चलने से कई पेड़ गिर गए। ग्रामीणों ले बताया कि कच्चे मकानों को भी नुकसान हुआ है। ओलावृष्टि के कारण सब्जी,दलहन तिलहन फसलों के साथ-साथ रबी फसल काफी बर्बाद हो गया। टमाटर,बैंगन,फ्रेंचबीन,खीरा सहित विभिन्न सब्जियां बर्बाद हो गया। साथ ही तेज हवा चलने के कारण पेड़ गिरने से प्रखंड क्षेत्र में खपरैल मकान को भी भारी क्षति पहुंची है। ओलावृष्टि से आम में लगे मंजर और फल भी झड़ गये। ओलावृष्टि से सबसे ज्यादा तबाही प्रखंड क्षेत्र के सभी पंचायत के गांवों में किसानों को काफी नुकसान हुआ है। वही जिला कृषि पदाधिकारी सालेन खलखो और अंचलाधिकारी मोदस्सर नजर मंसूरी अंचल क्षेत्र का भ्रमण कर नुकसान का जायजा लिया।

सीए स्टूडेंट अनुराग व आयुष बने शतरंज विजेता

JAMSHEDPUR : द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जमशेदपुर ब्रांच ऑफ सिकासा (स्टूडेंट्स एसोसिएशन) द्वारा शुक्रवार को सीए स्टूडेंट्स के लिए ऑनलाइन शतरंज प्रतियोगिता कराई गई थी। इसके फाइनल राउंड में अनुराग और आयुष ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। अब ये दोनों विजेता 29 मार्च को मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद के ऑनलाइन शतरंज टूर्नामेंट में शामिल होंगे।

राम जन्मोत्सव पर यंग स्टार निकालेगा शानदार झांकी

KHUNTI : खूंटी के मोहनाटोली स्थित यंग स्टार क्लब के सदस्यों की शुक्रवार को हुई बैठक में श्री रामजन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया। महोत्सव की तैयारियों को लेकर नई कार्यसमिति का गठन किया गया। इसमें संरक्षक डॉ एके साहा, कुमार थापा और पंकज साह कों बनाया गया। इनके अलावा अध्यक्ष विवेक गुप्ता (विक्की), उपाध्यक्ष दीपक कुमार और राकेश कुमार, संयोजक साकेत सिंह और राम कुमार साह, सह संयोजक आशीष विराट और, सुधांशु रंजन, महामंत्री पृथ्वी राज, सचिव नीलेश शर्मा, सह सचिव विवेक गुप्ता (पिंटू), कोषाध्यक्ष पवन कुमार और हर्षित लाल तथा मंत्री मोहित भगत को बनाया गया। जुलूस प्रभारी मनीष शर्मा, राजू कुमार, रोहन कुमार को बनाया गया है। इसके साथ ही 101 सदस्य बनाए गए हैं। क्लब के अध्यक्ष विवेक गुप्ता(विक्की) ने बताया कि क्लब की ओर से इस वर्ष भी भव्य नगर सज्जा की जाएगी और नवमी की शोभायात्रा में शानदार झांकी निकाली जाएगी।

हाथी के हमले से गंभीर रूप से घायल हुई महिला

LOHARDAGA : जंगल में दतवन और साल का पता तोड़ने गई महिला हाथियों के चपेट में आ गई। एक हाथी ने महिला को पटक दिया लेकिन महिला ने हिम्मत दिखाते हुए किसी तरह हाथियों को चकमा देकर निकलने में सफल रही। साथ में जंगल पहुंची महिलाओं ने गांव वालों को सूचना दी। मौके पर पहुंचे गांव वालों ने घायल महिला को इलाज के लिए कुडू सीएचसी पहुंचाया जहां प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल रेफर किया गया है। बताया जाता है कि कुडू प्रखंड के सिंजो नावाटोली गांव निवासी माडू उरांव की पत्नी मंगरी उरांव गांव की अन्य महिलाओं के साथ सुकुरहुटू पतरा में दतवन और साल का पता तोड़ने गई थी। इसी बीच शुक्रवार सुबह लगभग दस बजे दो हाथियों

घायल महिला

के बीच मंगरी उरांव फंस गई। इसमें एक हाथी ने महिला को पटक दिया। इससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। महिला ने झाड़ियों का सहारा लेकर किसी तरह हाथियों को चकमा दिया तथा कुछ दूर निकलने के बाद अन्य महिलाओं को आवाज देकर बुलाया. घायल महिला को अन्य महिलाओं ने उठाकर जंगल से बाहर निकाला । फिर गांव वालों को मामले की सूचना दी।

रिश्वत लेकर दिया गया अबुआ आवास, तीन लाभुकों से वापस ली जाएगी राशि : डीसी

AGENCY RAMGARH : अबुआ आवास जैसी महत्वाकांक्षी योजना गरीबों को छत देने के लिए बनाई गई है। लेकिन मुखिया और पंचायत सचिव की ओर से रिश्वत लेकर गरीबों का हक छीनने का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। मांडू प्रखंड के बड़का चुंबा पंचायत से जब यह शिकायत सामने आई तो डीसी चंदन कुमार ने तत्काल कार्रवाई की। उन्होंने इस पूरे मामले की तहकीकात कराई और रिश्वत देकर अबुआ आवास का लाभ लेने वाले तीन लाभुको पर कार्रवाई करने का आदेश दिया है। तीनों लाभुकों आवंटित की गई राशि की रिकवरी की जाएगी। डीडीसी रोबिन टोप्पो ने बताया कि बड़काचुंबा पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना और इंदिरा आवास योजना के तहत

उपायुक्त चंदन कुमार

लाभ प्राप्त कर चुके लोगों को पुनः अबुआ आवास योजना के तहत लाभ दिया गया था। इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी मांडू को पत्र लिखकर मामले की स्थल जांच कराई गई। इसमें पंचायत सचिव, लाभुक और मुखिया तीनों की मिलीभगत स्पष्ट हो गई। जांच में यह भी स्पष्ट हो गया की मोटी रकम लेकर योजना का लाभ दिया गया है। इस कारण वास्तविक व्यक्तियों को आवास नहीं मिल पा रहा है। डीडीसी रोबिन टोप्पो ने बताया कि पूर्व में प्रधानमंत्री आवास प्राप्त व्यक्तियों दुखन प्रजापति पिता बैजनाथ प्रजापति जिसका आईडी.- जेएच 2465077 है। दुखन प्रजापति की पत्नी फुलकी देवी को पुनः अबुआ आवास दिया गया है। जिसका आईडी 1972092 है। फुलकी देवी को तीन किस्त में 180000 का भुगतान विभाग ने किया है। उन्होंने बताया कि जगरनाथ प्रजापति पिता पारसनाथ प्रजापति जिसका आईडी जेएच 2504833 है। जगरनाथ प्रजापति की पत्नी संगीता देवी को पुनः अबुआ आवास दिया गया है जिसका आईडी 2120977 है। संगीता देवी को दो किस्त में 80000 का भुगतान हुआ है। उन्होंने बताया कि वागेश्वरी देवी पति भोला करमाली को पूर्व में इन्दिरा आवास मिला था तथा पुनः वागेश्वरी देवी पति भोला करमाली को ही अबुआ आवास दिया गया है जिसका आईडी 2123159 है। बागेश्वरी देवी को दो किस्त में 80000 का भुगतान किया गया है।

डीडीसी रोबिन टोप्पो ने मांडू प्रखंड विकास पदाधिकारी को आदेश दिया है कि बड़काचुम्बा पंचायत के पंचायत सचिव और मुखिया से स्पष्टीकरण पूछते हुए दो दिनों के अंदर प्रतिवेदन उपलब्ध कराएं। उप विकास आयुक्त ने जांच के बाद राशि की वसूली करने के संबंध में भी आवश्यक दिशा निर्देश प्रखंड विकास पदाधिकारी मांडू को दिए हैं।

दिवंगत हवलदार की पत्नी को मिली 15 लाख की अनुग्रह राशि

KHUNTI : समाहरणालय के कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने दिवंगत हवलदार जोहन होरो की पत्नी जोलजन होरो को अनुग्रह अनुदान के रूप में 15 लाख रुपये का चेक सौंपा। इस अवसर पर मृतक की दोनों बेटियां और बेटा भी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा आम चुनाव 2024 में कार्य के दौरान खूंटी जिला बल के हवलदार जोहन होरो की मृत्यु हो गई थी। उसके बाद दिवंगत हवलदार के परिवार के आश्रितों को निर्वाचन आयोग द्वारा 15 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान प्रदान किया गया है।

उपायुक्त से मिले महाराष्ट्र के विद्यार्थी, दिए कई टिप्स

समाहरणालय में छात्रों के साथ उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण ● फोटोन न्यूज

LOHARDAGA : महाराष्ट्र राज्य के जालना जिला के परतूर शहर में अवस्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थी शुक्रवार को उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण से मिले। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने उपायुक्त से जिला प्रशासन के कार्य और जिला में उपायुक्त के कार्य करने के तौर-तरीकों को विस्तार से जाना। साथ ही, भारतीय सिविल सेवा, चिकित्सक को कैरियर के रूप में चुने जाने के लिए आवश्यक तैयारियों को जाना। उपायुक्त ने छात्र-छात्राओं को भारतीय सिविल सेवा को कैरियर के रूप में चुनने के लिए आवश्यक तैयारियों की जानकारी दी। साथ ही कैरियर के चुनाव में अभिभावकों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उपायुक्त ने सिविल सेवा की तैयारी में दसवीं, 12वीं और स्नातक की शिक्षा की महत्ता को बताया। सभी छात्र-छात्राओं को कल्चरल एक्सचेंज और नेशनल इंटिग्रिटी प्रोग्राम के तहत एक वर्ष के लिए कक्षा नौवीं की पढ़ाई के लिए हिंदी भाषी क्षेत्र के विद्यालय अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना में भेजा गया था जो इसी माह पूरा हो जाएगा।

सिमरिया थाना प्रभारी मानव मयंक लाइन हाजिर राजू राणा को प्रभार

CHATRA : सिमरिया थाना प्रभारी मानव मयंक को लाइन क्लोज कर दिया गया है। चतरा पुलिस अधीक्षक विकास कुमार पांडेय ने सिमरिया थाना प्रभारी मानव मयंक को सस्पेंड

कर अवर निरीक्षक राजू राणा को नया थाना प्रभारी बनाया है। टंडवा थाना क्षेत्र के लेंबुआ गांव निवासी भुनेश्वर साहू उर्फ विशुन साव हत्याकांड मामले में सिमरिया थाना क्षेत्र के सबानो गांव निवासी रामविलास राम और विजय राम को तीन फरवरी को हिरासत में लिया था। इसके बाद हत्याकांड में शामिल होने का दबाव बनाया। इनकार करने पर थाना प्रभारी के द्वारा बेरहमी से पिटाई की गयी। छोड़ने के एवज में मोटी रकम की मांग की गई। जब काफी संख्या में ग्रामीण थाना पहुंचे तो दोनों को छोड़ दिया गया। दोनों ने डीआइजी और एसपी को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाते हुए थाना प्रभारी मानव मयंक के अलावा अमर कुमार, आलोक कुमार सहित दो पर बेरहमी से पिटाई करने का आरोप लगाया था।

टाटानगर से चलने वाली आधा दर्जन ट्रेनें आज व कल रहेंगी रद्द

PHOTON NEWS JSR : चक्रधरपुर रेल मंडल में विकास कार्यों के कारण कई ट्रेनें रद्द रहेंगी। इसमें टाटानगर से चलने वाली आधा दर्जन ट्रेनें शामिल हैं।

रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक दो दिनों तक टाटानगर से चलने वाली कई ट्रेनें रद्द रहेंगी। इसमें टाटा-बरकाकाना पैसेंजर, टाटा-खड़गपुर पैसेंजर, हटिया -टाटा

मेमू, राउरकेला-टाटानगर-राउरकेला पैसेंजर समेत कई अन्य ट्रेनें शामिल हैं।

ये ट्रेनें रहेंगी कैंसिल

- टाटानगर-बरकाकाना-टाटानगर पैसेंजर - 22-23 मार्च
- टाटानगर-खड़गपुर-टाटानगर पैसेंजर - 22 और 23 मार्च
- हटिया-टाटानगर मेमू - 22 मार्च
- टाटानगर-हटिया मेमू - 22 और 23 मार्च
- झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम मेमू - 23 मार्च
- राउरकेला-टाटानगर-राउरकेला मेमू - 22-23 मार्च
- टाटानगर-गुवा-टाटानगर मेमू - 22-23 मार्च
- चक्रधरपुर-राउरकेला-चक्रधरपुर मेमू - 22-23 मार्च

एक दिवसीय मुखिया सम्मेलन में शिक्षा व्यवस्था को लेकर सभी ने रखे विचार

विद्यालय की शिक्षा से वंचित न रहे कोई भी बच्चा : डीसी

AGENCY PALAMU : समग्र शिक्षा अभियान पलामू के तत्वावधान में डालटनगंज के दीनदयाल उपाध्याय स्मृति भवन में शुक्रवार को एक दिवसीय मुखिया सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे उपायुक्त शशि रंजन, डीडीसी शब्बीर अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान, डीपीआरओ डॉ असीम कुमार, डीएसई संदीप कुमार, मुखिया संघ के अध्यक्ष प्रमिला देवी, सचिव राजेंद्र पाण्डेय व उपाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का उद्घाटन किया।

संचालन शिक्षक परशुराम तिवारी ने किया। एडीपीओ संजय कापरी ने सम्मेलन में प्रोजेक्टर के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में मुखिया के कार्य और दायित्वों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते उपायुक्त शशि रंजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

मौके पर डीसी शशि रंजन ने मुखिया से संवाद कर विद्यालय को सुदृढ़ करने में उनके प्रयास और होने वाली कठिनाईयों के बारे में फीडबैक लिया। उन्होंने कुछ प्रयासों की सराहना भी की। उन्होंने मुखिया का आह्वान करते हुए कहा कि अच्छा कीजिएगा तो अच्छा होगा। विद्यालय को पानी-बिजली के साथ बुनियादी सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि सुनिश्चित किया जाय कि कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर और शिक्षा से वंचित न रहे। साथ ही विद्यालय में बागवानी, किचेन गार्डन और अनुशासन हो ताकि शिक्षा के लिए अनुकूल वातावरण बने। उन्होंने विद्यालय भवन की कमी दूर करने एवं अतिक्रमण हटाने संबंधी समस्या दूर करने का आश्वासन दिया।

दूसरे सत्र में डीडीसी शब्बीर अहमद ने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 63 मुखिया को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। उन्होंने पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए उनसे दिलचस्पी लेकर काम का निष्पादन करने एवं अभिलेखों के संधारण पर बल दिया। डीएसई संदीप कुमार ने लोक भागीदारी में मुखिया की भूमिका को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि जिस पंचायत के मुखिया सजग हैं, वहां के विद्यालय का सही संचालन हो रहा है। डीपीआरओ डॉ असीम कुमार ने वर्तमान समय में शिक्षा में सूचना तकनीक के उपयोग को जरूरी बताया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान ने बाल विवाह रोकने एवं अनेक लाभकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मनोज मिश्र, उज्ज्वल मिश्र, राजेश कुमार, क्रांति कुमार, राजीव चौबे, शादाब खान, विकास दूबे, आमोद कुमार, रामसरेख पाण्डेय, विजय शुक्ला सहित अन्य शामिल थे।

पत्नी की हत्या करने के बाद फंदे से लटक कर पति ने की खुदकुशी

पोस्टमार्टम हाउस के पास जुटे परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

PALAMU : पत्नी की हत्या करने के बाद पति के खुदकुशी कर लेने का मामला शुक्रवार को सामने आया है। शराब पीने की लत के कारण ऐसी घटना हुई। इस घटना से एक परिवार खत्म हो गया। मामला पलामू जिले के नावाबाजार थाना क्षेत्र के इटको गांव से जुड़ा हुआ है। पत्नी की हत्या करने के बाद पति का शव घर से एक किलोमीटर दूर पेड़ पर फंदे से लटका मिला। एमआरएमसीएच में शव का पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस जांच में जुटी है। मृतकों की पहचान इटको के उपेंद्र पासवान (35) और सूर्यमुखी देवी (32) के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने सुबह करीब 10 बजे सूर्यमुखी का शव घर के बाहर देखा। उसके सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया था। घटना के समय घर में दंपती की दो साल की बेटी मौजूद थी। पुलिस को सूचना मिलने पर जब टीम ने पति की तलाश की, तो उसका शव घर से एक किलोमीटर दूर नदी किनारे पेड़ से बने फंदे से लटका मिला। उपेंद्र को शराब पीने की लत थी। आशंका जताई जा रही है कि शराब के नशे में पत्नी से विवाद के बाद उसने कुल्हाड़ी से वार कर पत्नी की हत्या की और फिर खुद भी आत्महत्या कर ली।

24 घंटे बाद भी चक्रधरपुर अंधेरे में

CHAKRADHARPUR : गुरुवार की शाम आई आंधी-पानी के बाद से चक्रधरपुर व चाईबासा में बिजली सेवा बहाल नहीं हो सकी है। शुक्रवार को आधे घंटे के लिए बिजली आई थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी तरह ब्लैकआउट है। बिजली विभाग की ओर से इस संबंध में अब तक कोई बयान भी जारी नहीं किया गया है। बताया जाता है कि चक्रधरपुर प्रखंड के धातकीडीह गांव स्थित ग्रामीण फीडर में 11 हजार पावर सप्लाई का तार टूट कर जमीन पर गिर गया है। इस कारण से बिजली के पोल के अर्थिंग में शॉर्ट सर्किट हो गया। इधर शहर में बिजली आने के आधे घंटे बाद शुक्रवार को दोबारा बारिश शुरू हो गई। इससे एक बार फिर पूरा शहर अंधेरे में डूब गया। बिजली नहीं रहने से पानी की किल्लत हो गई है।

BRIEF NEWS

जलमीनार निर्माण का हरमू कॉलोनी में विरोध

RANCHI : हरमू कॉलोनी में प्रस्तावित जलमीनार निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि यह निर्माण क्षेत्र के इकलौते मैदान पर किया जा रहा है, जो बच्चों के खेलने, शादी-विवाह और सामाजिक आयोजनों के लिए उपयोग होता है।केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने इस विरोध को उचित ठहराते हुए प्रशासन से जनभावनाओं का सम्मान करने की अपील की है। सेठ ने शुक्रवार को कहा कि हरमू कॉलोनी के लोग चाहते हैं कि यहां जलमीनार का निर्माण ना होकर, अन्य स्थान पर किया जाए। इसलिए जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस निर्माण को तुरंत रोका जाए। उन्होंने कहा कि हरमू स्थित लाल बहादुर शास्त्री मार्ग में यह एक मात्र मैदान है, जहां बच्चे खेलते हैं। शादी विवाह और अन्य सामाजिक आयोजन होते हैं। वैसे भी वहां पहले से हेल्थ सब सेंटर बनाने का प्रस्ताव है। जलमीनार का निर्माण हिंदपीढ़ी के लोगों को पानी देने के लिए निर्माण किया जा रहा है। पानी की सप्लाई हिंदपीढ़ी में होनी है तो फिर इसका निर्माण भी हिंदपीढ़ी में ही किया जाना चाहिए। हरमू में प्रशासन जबरन काम कर रही है, जो न्यायसंगत नहीं है।

मजलिस के बाद हजरत अली की शहादत की याद में निकाले गए ताबूत

RANCHI : इस्लामिक साल के नौवें महीने को रमजान मुबारक कहा जाता है। इस महीने का इस्लाम में बहुत महत्व है। लेकिन, रमजान का दूसरा अशरा इस्लाम के लिए इतना महत्वपूर्ण है कि रमजान के 19वें दिन नमाज के दौरान कूफा की मस्जिद में अब्दुर-रहमान इब्न मुल्जिम नाम के आतंकवादी ने जहरीली तलवार से हजरत अली पर हमला किया। जिससे आपके सिर में चोट लग गई। आप दो दिन बीमार थे। 21 रमजान को सुबह के समय उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। यह बातें हजरत मौलाना हाजी सैयद तहजीबुल हसन रिजवी ने कही। वह शुक्रवार को मस्जिद जाफरिया में तीन दिवसीय मजलिस की तीसरी सभा को संबोधित कर रहे थे। मौलाना तहजीबुल हसन ने कहा कि हजरत अली की शहादत से इस्लाम को बहुत नुकसान हुआ।

आरएसएसडीआई के वार्षिक सम्मेलन में आज देशभर से जुटेंगे डॉक्टर

RANCHI : रिसर्च सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया(आरएसएसडीआई) झारखंड चैप्टर 22 और 23 मार्च को अपनी वार्षिक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। डंगराटोली के स्वर्णभूमि बैंक्वेट में इस सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह संस्था जो कि 52 साल पुरानी है और पूरे भारत में लगभग 12,000 सदस्यों के साथ कार्यरत है। इसके अलावा डायबिटीज पर शोध, चिकित्सा शिक्षा और पब्लिक अवेयरनेस में अग्रणी है।

क्षति का आकलन करने का डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने सभी अंचल अधिकारियों को दिया निर्देश

ओलावृष्टि व बारिश ने फसलों को पहुंचाया नुकसान, शुरू करें मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया

PHOTON NEWS RANCHI : रांची जिला में गुरुवार शाम से हो रही बारिश और ओला वृष्टि से किसानों की फसलों को भारी नुकसान हुआ है। इस नुकसान का आकलन करने और प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा देने के लिए उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने सभी अंचल अधिकारियों को निर्देश जारी किया है। उपायुक्त ने कहा कि संबंधित अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में फसलों को हुए नुकसान का आकलन करें और जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान हेतु आवश्यक कार्रवाई करें। उन्होंने अधिकारियों को इस कार्य में पूरी तत्परता और गंभीरता से जुटने की सलाह दी ताकि प्रभावित किसानों को राहत मिल सके। **निष्पक्ष रूप से जल्द करें आकलन :** रांची जिले में पिछले कुछ दिनों से तेज बारिश और ओलावृष्टि का दौर जारी है। इससे खेतों में खड़ी फसलों को गंभीर नुकसान हुआ है। किसान वर्ग की परेशानियों को देखते हुए उपायुक्त ने जिला प्रशासन के सभी स्तरों पर अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे त्वरित रूप से नुकसान का सर्वेक्षण करें और प्रभावित किसानों को सरकारी राहत राशि मुहैया कराने की प्रक्रिया को तेज करें। उपायुक्त ने कहा कि कृषि विभाग, राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन को मिलकर इस कार्य में तेजी से काम करना होगा, ताकि किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा मिल सके। उन्होंने यह भी कहा कि सभी संबंधित विभागों द्वारा किया गया आकलन सही और निष्पक्ष होना चाहिए, ताकि किसी भी किसान को न्याय मिलने में कोई रुकावट न आए।

बेड़ो में सैकड़ों मकान क्षतिग्रस्त

BERO : बेड़ो प्रखंड के घाघरा, नेहालु, ईटा, दिघिया, जामटोली, बेड़ो, टेरो और जरिया पंचायत के दर्जनों गांवों में शुक्रवार करीब 10 बजे आई तेज बारिश, ओलावृष्टि और तूफान से भारी नुकसान हुआ। इस आपदा में सैकड़ों मकानों के एलवेस्टर और खपड़े उड़ गए, घरों के बाहर खड़े वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और खेतों में लगी आलू, मटर, फ्रेंचबीन, गेहूं और सरसों जैसी फसलों को भारी नुकसान हुआ। क्षेत्रीय विधायक सह कृषि एवं पशुपालन मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने फसल मुआवजा को लेकर गंभीरता दिखाई है। उन्होंने आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी से मिलकर किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दिलाने की मांग की है। मंत्री के निर्देश पर प्रखंड अध्यक्ष करमा उरांव और अन्य प्रतिनिधि प्रभावित इलाकों का दौरा कर नुकसान का आकलन कर रहे हैं। इधर, नेहालु पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र भगत, जरिया पंचायत की मुखिया कुआंरी खलखो और ईटा पंचायत के मुखिया बुधराम बाड़ा, घाघरा पंचायत के मुखिया रमेश उरांव ने प्रभावित गांवों का दौरा कर किसानों को मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया है।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने मोदी सरकार पर बोला तीखा हमला, कहा-

महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा के मुद्दे पर ठगने का काम कर रहा केंद्र

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राजभवन के बाहर महिला कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने केंद्र की बीजेपी सरकार पर तीखा हमला बोला। इस प्रदर्शन में महिला आरक्षण विधेयक, महिला सुरक्षा, और ओबीसी महिलाओं को आरक्षण देने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। प्रदर्शन में हिस्सा लेते हुए मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि महिलाओं के अधिकार और सुरक्षा के मुद्दे पर केंद्र सरकार केवल महिलाओं को ठगने का काम कर रही है।

कृषि मंत्री ने कहा कि वोट की राजनीति के लिए बीजेपी ने महिला आरक्षण के नाम पर एक झुनझुना पकड़ा दिया, जिसका कोई वास्तविक लाभ महिलाओं को नहीं मिलने वाला। उन्होंने कहा कि महिलाओं को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा, जबकि राहुल गांधी द्वारा की गई घोषणाओं ने धरातल पर असर दिखाया है। कांग्रेस महिलाओं के अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी और उन्हें वास्तविक अधिकार दिलाएगा।

- राजभवन के बाहर महिला कांग्रेस की सदस्यों ने केंद्र के खिलाफ किया प्रदर्शन
- महिलाओं को एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाना होगा
- भाजपा ने महिला आरक्षण के नाम पर पकड़ा दिया झुनझुना, जिसका कोई लाभ नहीं
- कांग्रेस महिलाओं के लिए लगातार करती रहेगी संघर्ष, दिलाएगी असली अधिकार

प्रदर्शन में उपस्थित मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, पार्टी के वरिष्ठ नेता व महिलाएं ● फोटोन न्यूज

तेलंगाना में मिला ओबीसी आरक्षण

शिल्पी नेहा तिर्की ने आगे कहा कि तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण और झारखंड में कांग्रेस द्वारा मंत्रीमंडल में महिलाओं को 50 प्रतिशत अधिकार देना इसका जीवंत उदाहरण है। कांग्रेस जो कहती है, उसे पूरा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि महिलाओं के हक, अधिकार और सुरक्षा की लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। महिलाओं को एकजुट होकर अपनी लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाना होगा।

प्रमुख नेताओं की मौजूदगी

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के कई प्रमुख नेता शामिल हुए। इनमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह, मार्केटिंग बोर्ड के अध्यक्ष रविंद्र सिंह और राज्य हिन्दू धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष जयशंकर पाठक शामिल थे।

विधानसभा का बजट सत्र

जननी योजना में अनियमितता का आरोप, बोले इरफान- जांच जारी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक राज सिन्हा ने जननी सुरक्षा योजना में 50 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया। शुक्रवार को उनके सवाल का जवाब देते हुए मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि योजना में गड़बड़ी हुई है और इसकी जांच जारी है। कोडरमा एवं गोड्डा जिलों में अनियमितता के चलते संबंधित अधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। मंत्री ने बताया कि वित्तीय वर्ष-2023-24 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत कुल-99925 महिलाओं का बंध्याकरण किया गया। कुल 3212 मोतियाबिंद कैंप आयोजित किए गये, जिसमें लाभुकों की संख्या 241062 है। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 5905711 बच्चों का स्वास्थ्य जांच (स्क्रीनिंग) किया गया है। जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत कुल-842297 महिला लाभान्वित हुई।

उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष-2023-24 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत महिलाओं के बंध्याकरण के लिए कुल-3114.42 लाख राशि खर्च की गयी। मोतियाबिंद कैप एवं ऑपरेशन मद में कुल 1452.05 लाख राशि खर्च की गयी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच (स्क्रीनिंग) के लिए कुल-739.1 लाख राशि खर्च की गयी। जननी सुरक्षा योजना अंतर्गत कुल 4686.78 लाख राशि खर्च की गयी। कोडरमा एवं गोड्डा जिले में जननी सुरक्षा योजना के तहत बरती गयी अनियमितता से बंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

विधायक राज सिन्हा ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में 50 करोड़ की वित्तीय अनियमितता हुई है, जिसमें जननी सुरक्षा योजना, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, महिला बंध्याकरण और मोतियाबिंद ऑपरेशन के नाम पर राशि खर्च कर दी गयी है।

मेन रोड सबका, समुदाय विशेष का कब्जा सही नहीं : सीपी सिंह

PHOTON NEWS RANCHI : बजट सत्र में शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद पेयजल और स्वच्छता विभाग के बजट पर कटौती का प्रस्ताव रखते हुए भाजपा विधायक सीपी सिंह ने सरकार पर पर्व-त्योहारों पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ईद में मेन रोड के काली मंदिर चौक को बैरिकेटिंड कर सड़क जाम कर दिया जाता है। यह सही नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की पुलिस का पुरूषार्थ एक समुदाय विशेष पर काम करता है, जबकि दूसरे समुदाय के खिलाफ पुलिस सिखंडी बन जाती है। उन्होंने कहा कि क्या सरकार एक दिन के लिए रातू रोड और हरमू रोड को दूसरे समुदाय की खातिर बंद करने की अनुमति देगी। विधायक ने कहा कि न्याय सबके साथ होना चाहिए, एकतरफा न्याय ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि राजधानी में सिटी एसपी की गाड़ी जला दी जाती है और कोरोना काल में डीएसपी की पिटाई कर दी जाती है। उस समय पर किसी ने चूं तक नहीं बोला। विधायक ने गर्मी को देखते हुए विभागीय मंत्री से पेयजल की आपूर्ति प्रतिदिन और समय पर कराने की मांग की।

सरना समिति का रांची बंद आज प्रशासन ने समर्थकों को दी चेतावनी

PHOTON NEWS RANCHI : सीरम टोली फ्लाईओवर को लेकर सरना समिति के सदस्यों द्वारा 22 मार्च को रांची बंद एवं चक्का जाम का आह्वान किया गया है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने कड़ी चेतावनी दी है। वहीं लोगों से अपील की है कि इस दौरान सभी गतिविधियां विधिसम्मत और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न की जाएं। जिला प्रशासन की ओर से ये भी जानकारी दी गई कि कुछ बंद समर्थक द्वारा हो-हंगामा, उपद्रव और तोड़-फोड़ की साजिश रची जा रही है। प्रशासन ने बंद का आह्वान करने वाले सभी संगठनों और व्यक्तियों से आग्रह किया है कि वे इस अवधि में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों से बचें। प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा बंद या चक्का जाम के दौरान किसी प्रकार का गैर-कानूनी कार्य किया जाता है तो उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गैर-कानूनी कार्य करने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाई

जिला प्रशासन की अपील

जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे शांतिपूर्वक और विधिसम्मत तरीके से अपने अधिकारों का पालन करें। किसी भी तरह के हिंसक या अवैध कार्यों में संलिप्त होने पर प्रशासन कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगा। प्रशासन ने यह भी आग्रह किया कि जनसामान्य को किसी भी प्रकार की परेशानी उत्पन्न न हो और सभी को शांतिपूर्ण वातावरण में अपने काम करने की स्वतंत्रता हो।

विधानसभा और परीक्षा न हो बाधित

इसके साथ ही प्रशासन ने यह भी उल्लेख किया कि इस समय विधानसभा सत्र जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां चल रही है। सेंट जेवियर्स कॉलेज सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों में परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं। ऐसे में किसी भी छात्र, छात्रा, शिक्षक या किसी भी व्यक्ति को कोई भी परेशानी उत्पन्न नहीं की जानी चाहिए। आवागमन में किसी प्रकार की रुकावट या दबाव डालने की अनुमति किसी को भी नहीं दी जाएगी।

बंद के कारण दर्शन शास्त्र के अधिवेशन का बदला समय

PHOTON NEWS RANCHI : रांची विश्वविद्यालय के दर्शन शास्त्र विभाग की ओर से श?निवार को आयोजित होनेवाला अधिवेशन का उदघाटन सत्र के समय में बदलाव किया गया है। उदघाटन सत्र अब बंदी की वजह से शाम पांच बजे से शुरू होगा। वहीं कार्यक्रम में होनेवाली व्याख्यान मालाएं शनिवार की जगह अब रविवार की सुबह 10 से शुरू होंगी। इसके बाद विभागीय पत्र पढ़े जाएंगे। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय दर्शन परिषद् का 69 वां तीन दिवसी राष्ट्रीय अधिवेशन 22 से 24 मार्च को रांची विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में लगभग 50 वर्षों के बाद आयोजित हो रहा है। इस अधिवेशन के मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो अजीत कुमार सिन्हा होंगे। अधिवेशन में लगभग 540 अभ्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। अधिवेशन में देश के लगभग 17 राज्य और 124 विश्वविद्यालयों के विद्वान, दार्शनिक, शिक्षक, शोधार्थी तथा विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। वहीं कार्यक्रम में लगभग 100 से अधिक प्रोफेसर, 150 से अधिक सहायक प्रोफेसर तथा 300 से अधिक भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर कई विश्वविद्यालयों के पूर्व कुलपति भी शामिल होंगे, जिनमें प्रो रजनीश शुक्ला वर्धा विश्वविद्यालय, प्रो कुसुम रानी पूर्व कुलपति, मगध विश्वविद्यालय, पूर्व प्रति कुलपति प्रो आभा सिंह पटना विश्वविद्यालय, प्रोफेसर आरसी सिन्हा, प्रो पूनम सिंह सहित कई गणमान्य शामिल हैं।

रांची नगर निगम के सभागार कक्ष में अंतरविभागीय समिति की हुई मीटिंग

शहरी स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार पर अधिकारियों ने किया मंथन

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को रांची नगर निगम के सभागार कक्ष में नगर स्तरीय अंतर्विभागीय अभिसरण समिति की बैठक सहायक प्रशासक मुकेश कुमार की अध्यक्षता में हुई। इसमें शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के सुधार पर चर्चा की गई। खासकर झुग्गियों में रहने वाले लोगों को विभिन्न आवश्यक सेवाएं जैसे पेयजल, स्वच्छता, पोषण और स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में विचार किया गया। एनयूएचएम के शहरी कार्यक्रम प्रबंधक कुलभूषण बाड़ा ने कन्वर्जेंस कमेटी के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए सबके सहयोग से प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने यह भी बताया कि झुग्गियों में रहने वाले लोगों को यह सुविधाएं कैसे पहुंचाई जा सकती हैं, ताकि उनकी जीवनशैली में सुधार हो सके। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के डॉ. रचित भूषण, पीएसआई इंडिया के राज्य प्रतिनिधि सुनील कुमार, प्रणव कुमार झा, संतोष कुमार, नगर निगम के पुरुषोतम, एनयूएचएम के लोक स्वास्थ्य प्रबंधक मयंक जोशी और आईसीडीएस की महिला पर्यवेक्षक ने भी सक्रिय योगदान दिया।

समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता : डीआरसीएचओ डॉ असीम माझी कुमार ने कहा कि किसी भी स्वास्थ्य कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए समावेशी दृष्टिकोण और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता होती है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि नगर स्तरीय अंतरविभागीय अभिसरण समिति की नियमित बैठकें होनी चाहिए, ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके।

स्वास्थ्य विभाग से सहयोग की अपील

सहायक प्रशासक मुकेश कुमार ने नगर स्तरीय अभिसरण समिति की नियमित बैठकों के महत्व को स्वीकारते हुए इस पर बल दिया। जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज ने स्कूल स्तर पर 'स्कूल स्वास्थ्य एवं कल्याण कार्यक्रम' के बारे में जानकारी दी और इसे सफलतापूर्वक लागू करने के लिए स्वास्थ्य विभाग से सहयोग की अपील की।

मिशन इंद्रधनुष पर भी हुई चर्चा

डबल्यूएचओ से डॉ. सुधानंद ने टीडी 10 और 16 टीकाकरण के साथ मिशन इंद्रधनुष कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने सभी विभागों स्वास्थ्य, शिक्षा और आईसीडीए से सहयोग की अपेक्षा की, ताकि यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया जा सके। सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी डॉ. आनंद शेखर झा ने यूएएएम स्तर पर रिपोर्टिंग को सुदृढ़ करने के लिए पांच एमपीडबल्यू चिन्हित कर उनका क्षमता निर्माण करने की योजना साझा की।

लोकपालों की टीम ने किया बेड़ो का दौरा, योजनाओं की ली जानकारी

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राज्य के लोकपालों की एक टीम ने बेड़ो प्रखंड का दौरा कर विभिन्न योजनाओं का अवलोकन किया। टीम ने इटा पंचायत का भ्रमण कर मनरेगा समेत अन्य सरकारी योजनाओं की समीक्षा की और लाभुकों व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर आवश्यक जानकारियां एकत्रित की। टीम ने पंचायत में संचालित आम बागबानी योजना, सिंचाई कूप निर्माण, डोभा निर्माण, कच्ची नाली निर्माण, टीसीबी निर्माण, नडेफ कंपोस्ट निर्माण और बुआ आवास योजना का निरीक्षण किया। पंचायत कार्यालय में आयोजित प्रशिक्षण सत्र के दौरान कर्मियों व अधिकारियों ने अभिलेखों की प्रस्तुति देकर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। लोकपाल टीम ने सेवन रजिस्टर और अन्य दस्तावेजों के अद्यतन से जुड़ी जानकारी भी प्राप्त की। इसके अलावा, प्रखंड कार्यालय में मनरेगा कार्यों से जुड़े एनआईसी व इंटरनेट संबंधी तकनीकी पहलुओं पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर उपनिदेशक, मनरेगा कोषांग अनुपम भारती,राज्य समन्वयक, प्लानिंग सेल निहार रंजन महाराणा, मनरेगा कोषांग दीपक कुमार ने महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। वहीं प्रखंड सभागार में मनरेगा डाटा इंट्री से संबंधित सभी कार्यों के बारे मे मनरेगा कम्प्युटर ऑपरेटर संजीव दूबे, जय किशोर कुमार और सुनिल कुमार से जानकारी ली गई।

समाचार सार

हेल्थ केयर का प्रशिक्षण ले रहे 11वीं के छात्र

GHATSILA : अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला में नरसिंहगढ़ प्लस टू विद्यालय के 25 छात्र 10 दिवसीय हेल्थ केयर का प्रशिक्षण ले रहे हैं। छात्राएं मरीजों की सेवा में जुटी हैं। मरीज की देखरेख कर रही नुआग्राम निवासी कक्षा 11वीं की छात्रा चूड़ामनी हेंब्रम व सरबिला गांव की नयनी मुर्मू ने बताया कि 19 मार्च से हेल्थ केयर का प्रशिक्षण सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक चिकित्सकों द्वारा दिया जा रहा है। छात्रों ने बताया कि इस क्रम में मरीज को इंजेक्शन देना, स्लाइन चढ़ाना, प्राथमिक उपचार के लिए तत्काल कौन सी दवा देनी है आदि सिखाया जा रहा है। छात्राओं ने बताया कि वे कला संकाय की छात्रा हैं, पर हेल्थ केयर विषय होने के कारण इसका प्रशिक्षण लेना अनिवार्य है।

कांग्रेस का विधानसभा स्तरीय सम्मेलन कल

GHATSILA : संविधान बचाओ अभियान के तहत कांग्रेस का विधानसभा स्तरीय सम्मेलन 23 मार्च को घाटशिला के पंचायती धर्मशाला में होगा। इसे लेकर शुक्रवार को कांग्रेस नेता वापस चटर्जी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें बताया गया कि सम्मेलन में मुख्य अतिथि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप बलमुचू होंगे। बैठक में मानस दास, शेख फारूक, कन्हैया शर्मा, राजन बजराई, भोलानाथ मानकी आदि भी उपस्थित थे।

अपराध नियंत्रण के लिए बनी ग्राम सुरक्षा समिति

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के गुवा पूर्वी पंचायत के बिचाईकिरी गांव में अपराध नियंत्रण के लिए अहम फैसला लिया गया है। जानकारी के अनुसार, बिचाईकिरी गांव में बुजुर्ग गोमा बड़ाइक व मुखिया चांदमनी लागुरी की अध्यक्षता में ग्राम सुरक्षा समिति का गठन किया गया। बैठक में गांव में बढ़ते हुए अपराधिक मामलों पर रोक लगाने के लिए बनी समिति का अध्यक्ष मुखिया चांदमनी लागुरी व सचिव अनिता टुडू को बनाया गया। इसके साथ ही अन्य सदस्यों का चुनाव किया गया। समिति में मुख्य सलाहकार गुवा थाना प्रभारी नीतीश कुमार, बाल अधिकार मंच से पदमा केसरी, सीआरपी गीता देवी, ममता देवी, गोमा बड़ाइक व रजनी पिंगुवा को बनाया गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि गुवा में नशाखोरी एवं अवैध शराब बिक्री को लेकर छापामारी अभियान शुरू हो गई है। एक से दो महीने में सारा अवैध शराब और गांजा की बिक्री बंद करा दी जाएगी। अपराध बढ़ने का मुख्य कारण दारू-शराब है। शराब, दारू, गांजा बेचने वालों पर कड़ी कार्रवाई होगी।

स्वतंत्रता सेनानी रघुनाथ महतो की मनाई जयंती

CHAKRADHARPUR : भारत के प्रथम स्वतंत्रता सेनानी कहे जाने वाले वीर शहीद रघुनाथ महतो की 287वीं जयंती शुक्रवार को मनाई गई। शहीद निर्मल महतो कुड़मि भवन राखा आसनतलिया, चक्रधरपुर में झारखंड कुड़माली भाषा विकास परिषद व आदिवासी कुड़मि समाज चक्रधरपुर के संयुक्त तत्वाधान में हुए कार्यक्रम में समाजसेवी विजय मेलगांडी, शंकर लाल महतो, सचिव ओम प्रकाश महतो व संजीव महतो, बलराज हिंदवार, खगेश्वर महतो आदि भी उपस्थित थे।

गोपाल मैदान में पीएमएफएमई महोत्सव कल से

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन की ओर से 23-24 मार्च को प्रमंडलस्तरीय पीएमएफएमई महोत्सव मनाया जा रहा है। बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में होने वाले महोत्सव का उद्घाटन राज्य के श्रम व उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव करेंगे। महोत्सव में विभिन्न प्रकार के वित्त पोषित इकाइयों द्वारा अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। इसे लेकर उपायुक्त अनन्य मित्तल व एडीएम अनिकेत सचान ने शुक्रवार को कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का निरीक्षण किया। इस मौके पर जीएम-डीआईसी रविशंकर प्रसाद व डीटीओ धनंजय सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्या

JAMSHEDPUR : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त अनन्य मित्तल ने आमजनों से मुलाकात कर उनकी समस्या सुनी। इस दौरान 70 से ज्यादा फरियादियों ने सामाजिक व निजी समस्या रखी। ज्यादातर मामले स्थानांतरण, जमीन संबंधी विवाद, इलाज में सहयोग, सड़क संबंधी, रोजगार, मजदूरी भुगतान, सरना-जाहेर स्थान आदि से संबंधित थे। उपायुक्त ने सभी को यथोचित कार्रवाई को लेकर आश्वस्त किया। कई आवेदनों का ऑन द स्पॉट समाधान भी किया गया।

24-25 की बैंक हड़ताल स्थगित

JAMSHEDPUR : यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) के आह्वान पर 24-25 मार्च की हड़ताल स्थगित कर दी गई है। यूएफबीयू के स्थानीय संयोजक रिंटू रजक ने कहा कि संगठन ने देशहित और ग्राहक हित में हड़ताल को स्थगित किया है। उन्होंने बताया कि हड़ताल को लेकर नई दिल्ली में यूएफबीयू के शीर्ष नेतृत्व, इंडियन बैंकिंग एसोसिएशन और केंद्र सरकार के बीच हुई वार्ता में बैंक कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक विचार करने का आश्वासन दिया गया है।

डॉ. दीपंजय बने भारतीय दर्शन परिषद के को-ऑर्डिनेटर

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय दर्शन परिषद द्वारा रांची विश्वविद्यालय में 22-24 मार्च को त्रिदिवसीय कांफ्रेंस किया जा रहा है। इसमें कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. दीपंजय श्रीवास्तव को योग तथा मानव चेतना सत्र का को-ऑर्डिनेटर (समन्वयक) बनाया गया है। इस कांफ्रेंस में देश के कोने-कोने से दर्शनशास्त्र विभाग के विद्वान शिक्षक शामिल होंगे। डॉ. दीपंजय ने बताया कि उनका कार्डिनेटर के रूप में कोल्हान विश्वविद्यालय से चयन करना उनके लिए गर्व की बात है। इससे सिर्फ एलबीएसएम कॉलेज का ही नहीं, बल्कि कोल्हान विश्वविद्यालय का भी नाम रोशन हुआ है।

मानगो के एक स्कूल में मिला खून से लथपथ युवक का शव, हुई पहचान

सुबह-सुबह हत्या की खबर मिलने से फैल गई सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS JSR : मानगो के उलीडीह ओपी क्षेत्र में खानकाह रोड स्थित राजकीय मध्य विद्यालय में एक युवक की हत्या कर दी गई है। स्कूल में शुक्रवार की सुबह 24 वर्षीय युवक का खून से लथपथ शव मिला। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सौरभ शर्मा उर्फ पवन के रूप में हुई है।

शुक्रवार की सुबह जब स्कूल खोला गया, तो ऊपरी कक्षा में खून से लथपथ शव देखा गया। इसके बाद स्कूल के अध्यापकों ने तत्काल उलीडीह ओपी पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। शव होने की सूचना मिलने के बाद उलीडीह पुलिस मौके पर पहुंची। शव मिलने की सूचना जंगल में आग की तरह इलाके में फैल गई थी। लोग शव देखने के लिए स्कूल पहुंचने लगे।

मृतक की फाइल फोटो

मृतक की बहन नीतू बोपाई ने बताया कि सौरभ उनके परिवार का इकलौता बेटा था। सौरभ रात को घर नहीं लौटा, जिसके बाद परिवार ने उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। सुबह स्कूल के बाहर भीड़ देखकर उन्हें घटना की जानकारी हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हर बिंदु से मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि युवक की हत्या कैसे हुई।

एनएच-18 पर मालवाहक की कंटेनर से टक्कर, चालक की मौत

PHOTON NEWS GHATSILA : गालूडीह थाना क्षेत्र के आमचूड़ियां गांव के समीप एनएच-18 पर कोलकाता से आ रहे मालवाहक की जमशेदपुर से कोलकाता जा रही कंटेनर से गुरुवार की देर रात सीधी टक्कर हो गई।

इस दुर्घटना में मालवाहक के चालक सनोज कुमार की मौत हो गई। चालक केबिन में ही फंस गया था। घटना के संबंध में मालवाहक के मालिक संजय राय ने बताया कि कोलकाता से रांची रसोईघर का फर्नीचर लेकर जा रहा था। खड़िया कालोनी के समीप नवकुंज परिसर में 9 दिवसीय कीर्तन में हो रही भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने फोरलेन सड़क को वनवे कर दिया था। इसके कारण जमशेदपुर की ओर से आ रहे कंटेनर से मालवाहक की जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में मालवाहक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। मौके का फायदा उठाकर कंटेनर का चालक कंटेनर छोड़ कर फरार हो गया। मृतक बिहार के समस्तीपुर जिला के शाहपुर पटोरी थाना अंतर्गत ताराधवन गांव का रहने वाला था। पोस्टमार्टम के बाद शव मृतक के परिजन को सौंप दिया गया।

घटनास्थल पर पहुंचे पुलिस पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

गोविंदपुर के शंभू हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

मामूली विवाद के बाद गोविंदपुर में हुई थी शंभू की हत्या, हत्यारोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR : गोविंदपुर थाना क्षेत्र के प्रकाश नगर, गरुड़बासा में 17 मार्च को मामूली विवाद में उसके ममेरे भाई तुषार कर्मकार ने ही शंभू की हत्या कर दी थी। पुलिस की जांच में पता चला है कि तुषार और शंभू के बीच इसी साल एक जनवरी से तनातनी चल रही थी। दोनों के बीच अक्सर छोटे-मोटे विवाद होते रहते थे। पुलिस के अनुसार तुषार और शंभू के बीच किसी बात को लेकर घटना वाले दिन भी कहा-सुनी हुई थी। इसी के बाद रात को तुषार ने घटना को अंजाम दिया था। शंभू हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस हत्याकांड के आरोपी तुषार कर्मकार को गिरफ्तार किया है। तुषार के पास से हत्या में प्रयुक्त खोखा बरामद हुआ, जिसे उसने मनपीटा साईं मंदिर के पास छिपा रखा था। इससे पहले पुलिस ने घटनास्थल के पास एक गली से पिस्टल, एक कारतूस और मैगजीन बरामद किया था। सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि शंभू लोहार, जो सरायकेला खरसावां के पहाड़पुर का मूल निवासी था, गोविंदपुर के प्रकाश नगर में अपने रिश्तेदार बलराम कर्मकार के निर्माणाधीन मकान में सो रहा था। रात के समय तुषार कर्मकार इस घर में घुसा और शंभू लोहार को गोली मार दी। गोली शंभू के सीने में लगी थी और उसे इलाज के लिए टाटा मोटर्स अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मृत्यु हो गई।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

डॉ. अंजिला गुप्ता को मिला वीमेंस यूनिवर्सिटी का अतिरिक्त प्रभार

JAMSHEDPUR : कोल्हान यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता को जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के कुलपति पद का अतिरिक्त प्रभार मिला है। दो दिन पूर्व ही डॉ. गुप्ता ने कोल्हान यूनिवर्सिटी में कुलपति के पद पर योगदान किया था। इसके बाद राजभवन से जारी नए आदेश पर डॉ. गुप्ता ने शुक्रवार को जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी का प्रभार संभाला। राज्यपाल सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना में डॉ. अंजिला गुप्ता को अंतरिम व्यवस्था के तौर पर जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी का अतिरिक्त प्रभार दिए जाने का उल्लेख है। इसमें कहा गया है कि वे जमशेदपुर वीमेंस यूनिवर्सिटी के नियमित कार्यों का निष्पादन करेंगी, लेकिन किसी भी नीतिगत मामले में कुलाधिपति सह राज्यपाल की स्वीकृति लेनी होगी।

झामुमो नेताओं ने जाम किया एचसीएल का गेट

एचसीएल के मुख्य द्वार पर धरना देते झामुमो कार्यकर्ता ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : झारखंड श्रमिक संघ के बैनर तले ठेका मजदूर व झारखंड मुक्ति मोर्चा के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को एचसीएल-आईसीसी कंपनी का मेन गेट जाम कर धरना-प्रदर्शन किया गया। मंत्री प्रतिनिधि जगदीश भकत व संघ के अध्यक्ष काजल डॉन के नेतृत्व में सांकेतिक धरना दिया गया। झारखंड श्रमिक संघ ने प्रबंधक के समक्ष तीन मांग रखी है, जिसमें कार्यरत मजदूरों को महीना में 13 दिन की जगह 26 दिन काम देने, सुरक्षा किट देने व छूटे हुए नॉमिनी को कार्य देने की मांग शामिल है। शाम 5 बजे आंदोलनकारियों का प्रतिनिधिमंडल प्रबंधन से वार्ता करने जेनरल ऑफिस पहुंचे। काजल डॉन ने कहा है कि मजदूर हित में मांगों को पूरा किया जाए, इसके बाद ही यहां से ताम्र अयस्क को बाहर ले जाने दिया जाएगा। प्रदर्शन में झारखंड श्रमिक संघ के कमल दास, प्रताप दास, शंभू जेना, गणेश जेना, दुर्गा मुर्मू, मोहम्मद जमील, बाबूलाल मुर्मू, झामुमो के विकास मजूमदार, सुखलाल हांसदा, चंचल सरकार सव्यसाची चौधरी सहित अन्य उपस्थित थे।

साकची में फूंका गया पंजाब के सीएम भगवंत मान का पुतला

साकची में पुतला जलाते सिख समाज के लोग ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : साकची गोलचक्कर पर शुक्रवार को पंजाब के सीएम भगवंत मान का पुतला फूंका। इस दौरान ऑल इंडिया सिख स्टूडेंटस फेडरेशन, पूर्वी भारत के प्रमुख सतनाम सिंह गंभीर ने कहा कि सर्वोच्च अदालत ने किसानों के मुद्दों पर सुनवाई करते हुए यथास्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है, लेकिन भगवंत मान ने अदालती आदेश को गलत मानते हुए क्रूर कार्रवाई के आदेश दिए हैं। गंभीर ने कहा कि हम सभी किसान नेताओं से अपील करते हैं कि आपको एकजुट होने की जरूरत है, क्योंकि सरकारें आपके बीच फूट डालकर बहुत नुकसान पहुंचा रही है। अपनी मांगों को लेकर पिछले 13 महीनों से पंजाब की विभिन्न सीमाओं पर बैठे किसानों को भगवंत मान सरकार ने जिस तरह से हटाया है, वह निंदनीय है।

केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति का हुआ विस्तार

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर केंद्रीय रामनवमी अखाड़ा समिति की बैठक शुक्रवार को बिष्टुपुर स्थित तुलसी भवन में हुई। इसमें निर्णय लिया गया कि शहर के 175 रामनवमी अखाड़ा समितियों के बीच बेहतर समन्वय के लिए कमेटी का विस्तार करना जरूरी है। इस बर्ष हिंदू नववर्ष यात्रा 29 मार्च व रामनवमी विसर्जन जुलूस 7 अप्रैल को होना तय हुआ है। इसी संदर्भ में दिलजय बोस को कोषाध्यक्ष व धर्मेंद्र कुमार को सचिव सह प्रवक्ता का दायित्व सौंपा गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष अरुण सिंह, उपाध्यक्ष ललन यादव, कन्हैया यादव, सचिव धीरज सिंह, प्रदीप मुखर्जी, जितेंद्र प्रमाणिक व नंदकिशोर ठाकुर को भी जिम्मेदारी दी गई। उपाध्यक्ष विजय तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

चेंगजोड़ा में तैयार हो गया हेरिटेज विलेज

अप्रैल के अंत तक पर्यटकों के लिए उपलब्ध करा देने की संभावना, बनी रूपरेखा

PHOTON NEWS GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड अंतर्गत काशिदा पंचायत के चेंगजोड़ा गांव में पर्यटन का बढ़ावा देने के लिए पांच करोड़ की लागत से हेरिटेज विलेज बनाया गया है। यहां आने वाले पर्यटक ग्रामीण परिदृश्य का अच्छी तरह अध्ययन-अवलोकन कर सकेंगे। इसके लिए 9 कमरों को भव्य तरीके से सजाया गया है, तो हर कमरे का नामकर भी आदिवासी परंपरा के अनुरूप किया गया है। हेरिटेज विलेज का उद्घाटन अप्रैल के अंतिम सप्ताह में होने की संभावना है। इसे लेकर शुक्रवार को हेरिटेज विलेज में ग्राम सभा हुई, जिसमें जिला पर्यटन अधिकारी अविनेश त्रिपाठी, बीडीओ युनिका शर्मा, आकांक्षी कार्यक्रम पदाधिकारी अभिषेक झा, जिप सदस्य देवयानी मुर्मू, मुखिया तारामणी मुंडा समेत चेंगजोड़ा के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे। ग्राम सभा के माध्यम से हरिटेज विलेज का नाम मांझी रामदास टुडू विरासत पर्यटन स्थल रखा गया है। इसके लिए बनी संचालन समिति का नाम चेंगजोड़ा हेरिटेज विलेज समिति रखा गया है। समिति के माध्यम से इसमें काम करने वाले 8 लोगों का चयन किया गया है, जिसमें गीता सोरेन, मनीषा कुदादा, महेंद्र बेसरा, रवि सोरेन, मंगल मार्डी, सुनीता मार्डी, लक्ष्मी हांसदा व गुलापी हेम्ब्रम शामिल हैं। इसके अलावा दो सुरक्षित कर्मचारी में सुनील मुर्मू व पूर्णिमा मार्डी शामिल हैं। इन्हें सरकार की ओर से 8 से 10 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। 8 कर्मचारी हेरिटेज विलेज में माली, गार्ड, रसोइया, झाड़ुदार, पर्यटको की देखरेख, साफ-सफाई समेत सभी प्रकार के काम करेंगे। पर्यटन पदाधिकारी ने बताया कि संचालन समिति बनने के बाद अब जिला स्तर पर बैठक कर पर्यटकों से रूम का किराया तय किया जाएगा।

ग्राम सभा की बैठक में उपस्थित जिला पर्यटन पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

चालू वित्तीय वर्ष के लिए नगर विकास विभाग ने दी आवेदन लेने की अनुमति, अब तक आए 55 लाभुक

मकान बनाने के लिए मानगो नगर निगम दे रहा पैसा, फॉर्म भरने का काम शुरू

MUJTABA RIZVI @ JSR : अगर आपके पास रैयती या रजिस्टर्ड जमीन है तो मकान का निर्माण कराने के लिए कोई टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। मानगो नगर निगम आपको इस जमीन पर मकान बनाने के लिए रुपये दे रहा है। इसके लिए मानगो नगर निगम में आवेदन लिए जा रहे हैं। अब तक 55 लोगों ने आवेदन कर दिया है। अगर आप भी अपनी जमीन पर मकान का निर्माण करना चाहते हैं, तो फौरन मानगो नगर निगम जाकर अधिकारियों से संपर्क करें। इस योजना की एक और खास बात है कि इसमें कोई फिक्स लक्ष्य नहीं रखा गया है।

जितने लोग आवेदन देंगे, उनमें से जिनके पास जमीन के कागजात होंगे, सभी को योजना का लाभ दिया जाएगा।

रकम मिलने के छह महीने में बनाना होगा घर

मानगो नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि इस योजना में रकम मिलने के छह महीने के अंदर लाभुक को मकान का निर्माण करना होगा। अगर, लाभुक ऐसा नहीं करता है तो नगर निगम उसके पीछे पड़ कर मकान का जल्द निर्माण कराता है। मकान निर्माण में कोताही बरतने वालों को नोटिस जारी किया जाता है। फिर भी मकान नहीं बनाने वालों से दी गई रकम की वसूली करने की प्रक्रिया शुरू होती है।

दिखाने होंगे जमीन की रजिस्ट्री के कागजात

मानगो नगर निगम भूमि मालिकों को यह रकम भागीदारी आवास योजना (प्रधानमंत्री आवास योजना के चौथे घटक) के तहत दे रहा है। इसके लिए भूमि मालिक को 2 लाख 25 हजार रुपये दिए जाएंगे। पिछले साल जिन लाभुकों को यह रकम दी गई थी। अब तक नगर निगम उनके मकान के निर्माण का जायजा लेने में जुटा था। अब नगर विकास विभाग ने चालू साल के लिए लाभुकों से आवेदन लेने की अनुमति दे दी है। फार्म भरने के लिए लाभुक को अपने साथ आधार कार्ड, फोटो और जमीन के कागजात लेकर जाने होंगे। जमीन की रजिस्ट्री के कागजात भी दिखाने होंगे। मानगो नगर निगम जमीन के कागजात मानगो अंचल विभाग को भेजेगा। वहां से जमीन की जांच कराई जाएगी। जब यह साफ हो जाएगा कि जमीन लाभुक के ही नाम है और उसके कागजात वैध हैं, तभी इस योजना का लाभ दिया जाएगा।

पिछले साल 42 को मंजूरी, 20 मकान बने

वित्तीय साल 2022-23 में मानगो नगर निगम में इस योजना के तहत जिन लाभुकों ने आवेदन किए थे, उनमें से 42 लोगों को मंजूरी दी गई थी। इन सभी को आवास बनाने के लिए रकम दी जा चुकी है। इनमें से 20 लोगों ने अब तक मकान का निर्माण कर लिया है। बाकी घरों के निर्माण की प्रक्रिया चल रही है।

> भागीदारी आवास योजना एक अच्छी योजना है। इसमें रैयती या रजिस्टर्ड जमीन के धारक को मकान निर्माण के लिए पैसा दिया जाता है। इस योजना में चालू साल के लिए आवेदन लिए जा रहे हैं। इच्छुक लाभुक जल्द आवेदन कर सकते हैं।
>
> – कृष्ण कुमार, उप नगर आयुक्त, मानगो नगर निगम

अब तक 840 लोगों को मिला अपना आवास

मानगो में यह योजना साल 2015 से चल रही है। इस योजना के तहत अब तक 869 लोगों को आवास बनाने के लिए रकम देने को मंजूरी मिली है। इनमें से 840 मकान बन कर तैयार हो चुके हैं। कुछ लोगों ने मकान नहीं बनाए हैं। इनको नोटिस देकर मकान बनाने को कहा गया है।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामक्खी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहूं (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहूं दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते है। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निक्ल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती है।

हानि के लक्षण

ये कीट प्राय-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनी व फलियों से रस चूसकर नुक्सान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहूं पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादालयुक्त व ठंडा मौसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहूँ के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहूँ के प्राथमिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहूँ ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहूँ की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहूँ से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहूँ हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।

ऑक्सी-डेमेटान मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्र को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिड़काव करें

अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें।

यह भी पढ़ें कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की ततैया की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडरोपक दांतेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टाँगे काली होती है। इसकी सुंडी गहरे हरे रंग की होती है, जिसकी पीठ पर पांच लंबवत धारियां होती है।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुक्सान पहुंचाता है। सूंडी, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती हैं। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती हैं। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुक्सान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।

गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंडी पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्डरोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरेनकाइमा ऊतकों को खाकर टेढ़ी-मेढ़ी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियां पीली होकर गिर जाती है व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियां छितर जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुष्पं एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप प्राय-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं।

आँक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

चितकबरा कीट

प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखांग चुभाने-चूसने वाले एवं पश्चोंमुखी होते हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौध अवस्था में अधिक नुक्सान पहुंचाते है। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुक्सान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णत- सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोबारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि को देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ़-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए।

खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए।

पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टेयर की दर से भुरकाव करें।

अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मेलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगोर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली.मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टेयर की दर से छिडकाव करें।

फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

कृषि क्षेत्र में किसान नई फसलों एवं नई किस्मों की वैज्ञानिक तरीके से खेती कर अधिक मुनाफा कमा सकते हैं। कृषि के क्षेत्र में फसलों का चयन बाजार मांग के आनुसार करना चाहिए, जिससे किसानों को उचित भाव मिल सकें। आज के समय में लोगों के बीच स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ बेबीकॉर्न की खपत में निरंतर वृद्धि हो रही है। इस वजह से इस फसल का बाजार मूल्य भी अधिक है एवं इससे बहुत से उत्पाद बनाए जाते हैं।

बेबीकॉर्न मक्का की ही एक प्रजाति है, लेकिन इसकी उपयोगिता के आधार पर बेबीकार्न नाम दिया गया है। बाजार में मांग के अनुसार किसानों के बीच खेती की प्रतिस्पर्धा बनी हुई है। पौधे का अनिषेचित भुट्टा होता और रेशमी बाल (सिल्क) निकलने के 2-3 दिनों के अंदर तोड़कर उपयोग में लाया जाता है। यह काफी मुलायम होता है। समय बढने के साथ इसकी गुणवत्ता में गिरावट आती जाती है।

बेबीकॉर्न से होने वाले लाभ

यह एक स्वादिष्ट व पौष्टिक आहार है, पत्तियों में लिपटा होने के कारण यह कीटनाशक दवाइयों के प्रभाव से मुक्त होता है। इस कारण यह स्वास्थ्य की द्रष्टि से एकदम सुरक्षित है। बेबीकॉर्न का उपयोग सलाद, सूप, सब्जी, अचार एवं कैंडी, पकौड़ा, कोफ्ता, टिक्की, बर्फी, लड्डू, हलवा, खीर इत्यादि के रूप में होता है। बेबीकॉर्न में फास्फोरस भरपूर मात्रा उपलब्ध होता है। इसके लिए अतिरिक्त इसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्सियम, लौह व विटामिन भी उपलब्ध हैं। कोलेस्ट्रोल रहित होने एवं रेशों की अधिकता के कारण यह एक निम्न कैलोरीयुक्त आहार है। यह ह्रदय रोगियों के लिए काफी लाभदायक है।

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटावेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलेवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकार्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई मेड़ों के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दुरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टेयर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाईट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाईट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाईट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाईट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाईट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुडाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी 30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती हैं। सीमाजीन 105 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिडकाव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकार्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुडाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली की तुडाई करनी चाहिए। एकल क्रांस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरुरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टेयर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टेयर हरा चारा भी मिल जाता है।बेबीकार्न का छिलका तुडाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कंटेनर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।

स्ट्राबेरी

स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं।

साधारणतः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : चान्डलर, गुरिल्ला, टियोगा, सीस्कैप, स्वीटचार्ली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पजारो इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं।

सस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ,, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे- मैटिड से, स्पेस्ड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म।

उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राज्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है -50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। डयूरान रसायन 5 कि.ग्रा./है. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें।

तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैकं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीध्र होता है। फल की तुड़ाई डण्ठल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/है. आंकी गई है। अच्छे उव्रण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-200 क्विंटल/है. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत प्रौद्योगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करे।

छंटाई करके फलो को प्लास्टिक की पन्नेट (200 ग्राम) में पैक करें।

पन्नेट को सिंगल लेयर सीएफबी बॉक्य में रखें।

फलों को शीत गृह मे 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें।

फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें।

कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थ्रिप्स

थ्रिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुँचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लिटर या कार्बेरिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लिटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लिटर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुसान पहुँचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हैं। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिटटी का निर्जमीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएँ।

ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान

जल दिवस विशेष

ललित गर्ग

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है।

दुनिया के सामने स्वच्छ जल की समस्या गंभीर से गंभीरतर होती जा रही है। जल प्रदूषण एवं पीने के स्वच्छ जल की निरन्तर घटती मात्रा को लेकर बड़े खतरे खड़े हैं। धरती पर जीवन के लिये जल सबसे जरूरी वस्तु है, जल है तो जीवन है। जल ही किसी भी प्रकार के जीवन और उसके अस्तित्व को संभव बनाता है। जल के महत्व एवं उसकी बढ़ती समस्याओं के समाधान की दिशाएं उद्घाटित करने के लिये ही प्रतिवर्ष विश्व जल दिवस 22 मार्च को मनाया जाता है। यह कोरा एक वार्षिक उत्सवभर नहीं है, बल्कि आन्दोलन है, जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा स्थापित यह दिवस वैश्विक जल चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाता है, जिसमें स्वच्छ पेयजल तक पहुँच, स्वच्छता और पानी की कमी शामिल है। इस वर्ष की जल दिवस की थीम है ह्लग्लेशियर संरक्षणह्व, जो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभावों से दुनिया के जमे हुए जल संसाधनों की रक्षा करने की आवश्यकता पर जोर देती है। ग्लेशियरों का पिघलना तेज हो रहा है, जिससे जल चक्र बाधित हो रहा है और अरबों लोगों के लिए जीवन के अस्तित्व से जुड़े जल की सुरक्षा को खतरा है।

विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र की एक पहल है जिसका उद्देश्य मीठे पानी के महत्व को उजागर करना और जल संसाधनों के सतत प्रबंधन का समर्थन करना है। 1993 में स्थापित, यह वैश्विक जल मुद्दों को संबोधित करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता की याद दिलाता है, खासकर जब दुनिया भर में 2.2 बिलियन लोगों के पास सुरक्षित रूप से प्रबंधित पेयजल तक पहुंच नहीं है। आज जलवायु परिवर्तन के कारण ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं। अरबों लोगों के लिए पिघले पानी का प्रवाह बदल रहा है, जिससे बाढ़, सूखा, भूस्खलन और समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है। अनगिनत समुदाय और पारिस्थितिकी तंत्र विनाश के खतरे में हैं। कार्बन उत्सर्जन में वैश्विक कटौती तथा सिकुड़ते ग्लेशियरों के अनुकूलन के लिए स्थानीय रणनीतियां आवश्यक हैं। इस वर्ष के विश्व जल दिवस अभियान का उद्देश्य जलवायु परिवर्तन और वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए कार्ययोजना के केंद्र में ग्लेशियर संरक्षण को रखने के लिए मिलकर काम करना है। दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं

में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। धरती पर सुरक्षित और पीने के पानी के बहुत कम प्रतिशत के आंकलन के द्वारा जल संरक्षण या जल बचाओ अभियान हम सभी के लिये बहुत जरूरी हो चुका है। औद्योगिक कचरे की वजह से रोजाना पानी के बड़े स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं। जल को बचाने में अधिक कार्यक्षमता लाने के लिये सभी औद्योगिक बिल्डिंगें, अपार्टमेंट्स, स्कूल, अस्पतालों आदि में बिल्डरों के द्वारा उचित जल प्रबंधन व्यवस्था को बढ़ावा देना चाहिये। पीने के पानी या साधारण पानी की कमी के द्वारा होने वाली संभावित समस्या के बारे में आम लोगों को जानने के लिये जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाना चाहिये। जल जीव मंडल में पारिस्थितिकी संतुलन को बनाये रखता है। पीने, नहाने, ऊर्जा उत्पादन, फसलों की सिंचाई, सीवेज के निपटान, उत्पादन प्रक्रिया आदि बहुत उद्देश्यों को पूरा करने के लिये स्वच्छ जल बहुत जरूरी है।

जल जीवन के लिये सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, जिन पाँच तत्वों को जीवन का आधार माना गया है, उनमें से एक तत्व जल है। जल के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। मानव एवं जीव-जन्तुओं के अलावा जल कृषि के सभी रूपों और अधिकांश औद्योगिक उत्पादन प्रक्रियाओं के लिये भी बेहद आवश्यक है। परंतु आज पूरी दुनिया जल-संकट के साए में खड़ी है। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े जल संकट की ओर ले जा रही है। आप सोच सकते हैं कि एक मनुष्य अपने जीवन काल में कितने पानी का उपयोग करता है, किंतु क्या वह इतने पानी को बचाने का प्रयास करता है? पानी धरती पर जीवन के अस्तित्व के लिए आधारभूत आवश्यकता है। आबादी में वृद्धि के साथ पानी की खपत बेतहाशा बढ़ी है, लेकिन पृथ्वी पर साफ पानी की मात्रा कम हो रही है। जलवायु परिवर्तन और धरती के बढ़ते तापमान ने इस समस्या को गंभीर संकट बना दिया है।

दुनिया के कई हिस्सों की तरह भारत भी जल संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक जनसंख्या का 18 प्रतिशत हिस्सा भारत में निवास करता है, लेकिन चार प्रतिशत जल संसाधन ही हमें उपलब्ध है। भारत में जल-संकट की समस्या से निपटने के लिये प्राचीन समय से जो प्रयत्न किये गये हैं, वे दुनिया के लिये मार्गदर्शक हैं। देश में अटल भूजल योजना चल रही है। स्थानीय समुदायों के नेतृत्व में चलने वाला यह दुनिया का सबसे बड़ा कार्यक्रम है। साथ ही, नल से जल, नदियों की सफाई, अतिक्रमण हटाने जैसे प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे हैं। हमारे यहां जल बचाने के मुख्य साधन है नदी, ताल एवं कूप। इन्हें अपनाओं, रक्षा करो, अभय दो, इन्हें मरुस्थल के हवाले न करो। अन्तिम समय यही तुम्हारे जीवन और जीवनी को बचायेंगे। ख्यात पर्यावरणविद अनुपम मिश्र तो ह्यअब भी खरे है तालाबह्न कहते कहते स्वर्गस्थ हो गये। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व जल दिवस की मूल भावना को अपने दैनिक जीवन में उतारकर हर व्यक्ति, हर दिन जल संरक्षण का यथासंभव प्रयास करे। गाँव के स्तर पर लोगों के द्वारा बरसात के पानी को इकट्ठा करने की शुरूआत करनी चाहिये। उचित रख-रखाव के साथ छोटे या बड़े तालाबों को बनाने के द्वारा बरसात के पानी को बचाया जा सकता है।

धरती के क्षेत्रफल का लगभग 70 प्रतिशत भाग जल से भरा हुआ है। परंतु, पीने योग्य जल मात्र तीन प्रतिशत है। इसमें से भी मात्र एक प्रतिशत मीठे जल का ही वास्तव में हम उपयोग कर पाते हैं। पानी का इस्तेमाल करते हुए हम पानी की बचत के बारे में जरा भी नहीं सोचते, जिसके परिणामस्वरूप अधिकांश जगहों पर जल संकट की स्थिति पैदा हो चुकी है। जल का संकट एवं विकट स्थितियां अति प्राचीन समय से बनी हुई है। इसी कारण राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश आदि प्रांतों में जल संरक्षण के लिये नाड़ी, तालाब, जोहड़, बन्धा, सागर, समंद एवं सरोवर आदि बनाने की प्राचीन परम्परा रही है। राजा-महाराजाओं तथा सेठ-साहूकारों ने अपने पूर्वजों की स्मृति में अपने नाम को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से इन प्रदेशों के विभिन्न भागों में कलात्मक बावड़ियों, कुओं, तालाबों, झालरों एवं कुंडों का निर्माण करवाया। जहाँ प्रकृति एवं संस्कृति परस्पर एक दूसरे से समायोजित रही हैं। राजस्थान के किले तो वैसे ही प्रसिद्ध हैं पर इनका जल प्रबन्धन विशेष रूप से अनुकरणीय हैं। जल संचयन की परम्परा वहाँ के सामाजिक ढाँचे से जुड़ी हुई हैं तथा जल के प्रति धार्मिक दृष्टिकोण के कारण ही प्राकृतिक जलस्त्रोतों को पूजा जाता है। जल की कमी दुनिया के लिए एक उभरती हुई वास्तविकता एवं ज्वलंत समस्या है। चूंकि जलवायु परिवर्तन और जल की कमी एक ही सिक्के के दो पहलू हैं, इसलिए इनमें से किसी एक मुद्दे का मुकाबला करने के तरीके खोजने से दूसरे की बेहतरी में मदद मिलेगी, इसमें ग्लेशियर संरक्षण जल संकट का प्रभावी समाधान हो सकता है।

संपादकीय

गड़े मुर्दों की राजनीति

महाराष्ट्र के नागपुर में हुई हिंसा के बाद कुछ इलाकों में कर्फ्यू जारी हैङ्क और सशस्त्र सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। यह हिंसा औरंगजेब की कब्र हटाने की अफवाह के बाद दो गुटों में हुई झड़प और पत्थरबाजी के बाद भड़की। इस सांप्रदायिक उन्माद भड़कने का कारण एक फिल्म में संभाजी और औरंगजेब के बीच ऐतिहासिक युद्ध के फिल्मांकन को माना जा रहा है। उस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस का यह कहाना कि फिल्म में सच्चा इतिहास दिखाने के चलते दंगे भड़के ङ्क निहायत गैरझजिम्मेदाराना और समुदाय विशेष की भावनाओं को चोट पहुंचाने वाला है। इसे औरंगजेब के प्रति गुस्सा बता कर उन्होंने शांति बहाली की बजाय अपनी पक्षपाती सोच ही उजागर की है। पुलिस की तरफ से दर्ज मामले में सभी ५१ संदिग्ध मुसलमान हैं। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल द्वारा किए गए प्रदर्शन और पुतला जलाए जाने को लेकर राजनीतिक दलों समेत प्रशासन चुप्पी साधे हैं। पुलिस के अनुसार दंगाई कुल्हाड़ीङ्क डंडेङ्क लोहे के सरिए और इटझपत्थर हाथों में लिए हुएश्थे। उन्होंने पुलिस पर जानलेवा हमला तक किया। पुलिस वाहन फूंके गएङ्क महिला पुलिसकर्मियों तक को नहीं बख्शा। सियासी दलों का आरोपझप्रत्यारोप का दौर चालू हैङ्क और नेताओं की भड़काऊ बयानबाजी लगातार जारी है। जो वाहनङ्क घरझदुकानें फूंके गएङ्क उससे दोनों समुदाय के लोगों को क्षति पहुंची जिसकी भरपाई करने में सालों का वक्त लग सकता है। मुगल बादशाह को निशाने पर रख कर दक्षिणपंथी विचारधारा वाले राजनीतिक दल ने जनता का ध्यान भटकाने का सिलसिला जारी रखा है। गड़े.मुर्दे उखाड़.कर बजरिए इतिहास वे जानबूझकर महंगाईङ्क बेरोजगारी और बुनियादी समस्याओं को गड्ढेरूमें ड़ालने के प्रयास करते हैंङ्क जिससे सांप्रदायिक सद्भाव और देश की अखंड़ता को ठेस लगती है। विभाजनकारी बातें और भड़ाकाऊ बयानबाजी पर पाबंदी न लगाई गई तो इसके विपरीत असर समूचे राष्ट्र को भुगतने पड़.सकते हैं। जनता को भी अपने विवेक का इस्तेमाल करते हुए इस भटकाव से तौबा करना सीखना होगा। अराजक तत्वोंङ्क दंगाइयों और पुलिसकर्मियों पर हिंसक बल प्रयोग करने वाले उपद्रवियों को कतई नहीं छोड़ा जाना चाहिए। मगर इस सबके पीछे की साजिशों का भंड़ाफोड़.करने में भी कोताही नहीं की जानी चाहिए क्योंकि इससे वैश्विक रूप से देश की छवि भी कम धूमिल नहीं होती।

चिंतन-मनन

विवेक ही धर्म है

युग के आदि में मनुष्य भी जंगली था। जब से मनुष्य ने विकास करना शुरू किया, उसकी आवश्यकताएं बढ़ गई। आवश्यकताओं की पूर्ति न होने से समस्या ने जन्म लिया। समस्या सामने आई तब समाधान की बात सोची गई। समाधान के स्तर दो थे- पदार्थ-जगत, मनो-जगत. प्रथम स्तर पर पदाथरे के सुनियोजित उत्पादन और उनकी व्यवस्था को आकार मिला। दूसरा स्तर मानसिक था। इस जगत की समस्याएं थी अपरिमार्जित वृत्तियां, असंतुलन और तनाव।

इन समस्याओं को समाहित करने के लिए धर्म की खोज हुई। धर्म का अर्थ है पारंपरिक मूल्य-मानकों से परे हटकर मनुष्य को सत्य की दिशा में अग्रसर करना। जब तक धर्म अपने इस परिवेश में रहता है, तब तक वह रूढ़ नहीं हो सकता। पर उद्देश्य की विस्मृति के साथ ही उसमें रूढ़ता आ जाती ह। रूढ़ धर्म को व्यक्ति अपने जीवंत संदभरे से काटकर परलोक के साथ जोड़ देता है। बस यहीं से धर्म में विकृति का प्रवेश होने लगता है। मैं ऐसा सोचता हूं कि धर्म का संबंध हमारी हर सांस से होना चाहिए। ऐसा वे ही व्यक्ति कर सकते हैं जो अपने जीवन की सतह पर दौड़-धूप कर रहे हैं। या फिर यह उन लोगों का काम है जो जीवन की गहराइयों में उतरकर अध्यात्म के प्रति समर्पित हो जाते हैं।

जीवन की सतह पर जीने वाले व्यक्ति धर्म की गहराई में नहीं उतर सकते, किंतु अध्यात्म के प्रयोक्ता की दृष्टि से वह गहराई छिपी नहीं रह सकती। जो व्यक्ति उतनी गहराई में उतरे, उन्हें धर्म की विकृतियों का बोध हुआ। जो धर्म मन को समाधान देने वाला था, वह स्वयं समस्या बनकर उभर गया। इस दृष्टि से उसमें संशोधन व परिवर्तन की अपेक्षा अनुभव हुई। अणुव्रत उसी आवश्यकता का आविष्कार है। यदि धर्म एक समस्या बनकर सामने नहीं आता तो उसे अणुव्रत के रूप में प्रस्तुति देने का कोई अर्थ ही नहीं था। अणुव्रत धर्म के साथ विवेक की अपरिहार्यता पर बल देता है। आगम की भाषा में विवेक ही धर्म है।

प्रियंका सौरभ

तलाक की भेंट चढ़ते 'तेरे मेरे सपने'

आज के दौर में प्रेम विवाह का प्रचलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही तलाक की दर भी बढ़ती जा रही है। जहाँ प्रेम विवाह को प्रेम, स्वतंत्रता और आपसी समझ का प्रतीक माना जाता था, वहीं तलाक के बढ़ते मामलों ने इस धारणा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शादी सिर्फ.दो लोगों का साथ नहीं, बल्कि उनके सपनों, उम्मीदों और भावनाओं का एक संगम होती है। जब दो लोग प्रेम विवाह करते हैं, तो वे भविष्य के कई सुनहरे सपने बुनते हैं-साथ मिलकर जीने के, खुशियाँ बाँटने के और एक खूबसूरत सफर तय करने के। लेकिन जब यह सफर तलाक की कगार पर पहुँचता है, तो सबसे पहले कुचले जाते हैं 'तेरे मेरे सपने'। शादी से पहले जो जोश, उत्साह और अपनापन होता है, वह धीरे-धीरे कई कारणों से फीका पड़ने लगता है। छोटी-छोटी गलतफहमियाँ, अहंकार की दीवारें और बदलती प्राथमिकताएँ उन सपनों को मिटाने लगती हैं, जिन्हें कभी दोनों ने मिलकर संजोया था।

शादी से पहले एक-दूसरे के लिए जो सपने देखे जाते हैं, वे हकीकत की ज़िम्मेदारियों के बोझ तले दबने लगते हैं। जब सपनों की दिशा अलग-अलग हो जाती है, तो रिश्ते कमजोर पड़ने लगते हैं। प्रेम सम्बंध में अक्सर लोग अपने साथी को एक आदर्श रूप में देखते हैं, लेकिन शादी के बाद जब वास्तविकता सामने आती है, तो असंतोष उत्पन्न हो सकता है। एक सफल विवाह के लिए संवाद बहुत जरूरी होता है। यदि जीवनसाथी एक-दूसरे की बातों को समझने और सुनने में असमर्थ होते हैं, तो रिश्ते में दरार आ सकती है। कई बार शादी के बाद आर्थिक दबाव और ज़िम्मेदारियों को निभाने में कठिनाइयाँ आने लगती हैं, जिससे मतभेद बढ़ सकते हैं। प्रेम विवाह में कई बार परिवार और समाज का विरोध झेलना पड़ता है। यदि दंपति मानसिक रूप से मजबूत नहीं होते, तो यह तनाव उनके रिश्ते को प्रभावित कर सकता है। यदि किसी एक साथी का व्यवहार संदेहास्पद होता है या अविश्वास उत्पन्न होने लगता है, तो यह तलाक का कारण बन सकता है। शादी के बाद जब दोनों व्यक्तियों की प्राथमिकताएँ बदलने लगती हैं और यदि उनकी सोच मेल नहीं खाती, तो रिश्ते में तनाव आ सकता है। आधुनिक समय में करियर को प्राथमिकता देने से वैवाहिक जीवन पर असर पड़ सकता है। कई बार साथी एक-दूसरे की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सीमित करने लगते हैं, जिससे मतभेद बढ़ते हैं। आत्मसम्मान और अहंकार की लड़ाई शुरू हो जाती है। ₹कौन ज्यादा सही है?₹ यह सवाल रिश्ते को भीतर से खोखला करने लगता है और सपने टूटने लगते हैं।

केवल प्रेम ही नहीं, बल्कि समान विचारधारा, पारिवारिक पृष्ठभूमि, करियर लक्ष्य और जीवनशैली को ध्यान में रखकर जीवनसाथी का चुनाव करें। हर समस्या पर खुलकर बात करें और अपने साथी की भावनाओं को समझने का प्रयास करें। शादी से पहले और बाद में एक-दूसरे से व्यावहारिक अपेक्षाएँ रखें और उन्हें पूरा करने का प्रयास करें। किसी भी रिश्ते की नींव विश्वास होती है। अपने साथी के प्रति निष्ठावान रहें और पारदर्शिता बनाए रखें। हर रिश्ते में उतार-चढ़ाव आते हैं। किसी भी समस्या का समाधान जल्दबाजी में न निकालें, बल्कि धैर्यपूर्वक विचार करें। कभी-कभी परिवार और करीबी दोस्तों से सलाह लेना भी रिश्ते को मजबूत करने में मदद कर सकता है। यदि रिश्ते में समस्याएँ बढ़ रही हैं, तो विवाह विशेषज्ञ या काउंसलर से मार्गदर्शन लेना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। शादी के बाद भी एक-दूसरे के सपनों को समझें और उन्हें साथ मिलकर पूरा करने का प्रयास करें। हर छोटी-बड़ी बात पर चर्चा करें, अपने साथी की भावनाओं को समझें और अपनी बात को सही तरीके से सामने रखें। शादी के बाद ज़िम्मेदारियाँ बढ़ जाती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सपनों का त्याग कर दिया जाए। एक-दूसरे को सहयोग दें ताकि व्यक्तिगत इच्छाएँ पूरी हो सकें। जब रिश्ते में अहंकार आ जाता है, तो प्रेम कम होने लगता है। इसलिए हर स्थिति में प्रेम को प्राथमिकता दें। अगर लगने लगे कि रिश्ता बोझ बन रहा है, तो कुछ समय साथ बिताएँ, घूमने जाएँ, पुरानी यादों को ताजा करें और रिश्ते को नए सिरे से शुरू करने की कोशिश करें।

प्रेम विवाह में तलाक की बढ़ती दर चिंताजनक है, लेकिन इसे रोका जा सकता है यदि दंपति आपसी समझ, विश्वास और धैर्य बनाए रखें। शादी सिर्फ.प्रेम पर आधारित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें सम्मान, जिम्मेदारी और परिपक्वता का होना भी जरूरी है। सही सोच और व्यवहार अपनाकर प्रेम विवाह को सफल और खुशहाल बनाया जा सकता है। तलाक सिर्फ.कानूनी अलगाव नहीं होता, यह उन सपनों की मौत भी होती है जो कभी दो लोगों ने मिलकर देखे थे। रिश्तों को बचाने के लिए जरूरी है कि प्रेम, विश्वास और समझदारी को बनाए रखा जाए। क्योंकि अगर 'तेरे मेरे सपने' बिखर गए, तो सिर्फ.दो दिल नहीं टूटेंगे, बल्कि दो ज़िंदगियाँ भी अधूरी रह जाएँगी। प्रेम विवाह में तलाक की दर अधिक होने का कारण गलत अपेक्षाएँ, कम सहनशीलता, पारिवारिक समर्थन की कमी और संवाद की कमी है। लेकिन सही समझदारी और परिपक्वता से इसे रोका जा सकता है। शादी सिर्फ.प्यार से नहीं, बल्कि विश्वास, धैर्य और आपसी सहयोग से सफल होती है।

शीतला अष्टमी पर विशेषः संक्रामक रोगों से मुक्ति दिलाती है शीतला माता

रमेश सर्राफ धमोरा

शीतला माता स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं और इसी संदर्भ में शीतला माता की पूजा से हमें स्वच्छता की प्रेरणा मिलती है। इनका सैदव से ही बहुत अधिक माहात्म्य रहा है। शीतला-मंदिरों में प्रायः माता शीतला को गर्दभ पर ही आसीन दिखाया गया है। शीतला माता गधे पर सवार होती है और नीम के पत्तोंद की माला का श्रृंगार करती हैं। इस दिन घर में बासी पुआ, पूड़ी, दाल भात और मिठाई का भोग लगाया जाता हैं। शीतला माता को भोग लगाने के बाद घर के सदस्य खुद इसका सेवन करते हैं।

सामान्य तौर पर शीतला माता का पूजन चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी को किया जाता है। भगवती शीतला की पूजा का विधान भी विशिष्ट है। शीतलाष्टमी के एक दिन पूर्व उन्हें भोग लगाने के लिए बासी खाना यानी बसौड़ा तैयार किया जाता है। अष्टमी के दिन बासी पदार्थ ही देवी को नैवेद्य के रूप में अर्पित करते हैं और भक्तों के बीच प्रसाद के रूप में इसे वितरित करते हैं। उत्तर भारत में शीतलाष्टमी का त्योहार बसौड़ा नाम से भी प्रचलित है। मान्यता है कि इस दिन के बाद से बासी खाना नहीं खाना चाहिए। यह ऋतु का अंतिम दिन होता है जब बासी खाना खा सकते हैं।

हमारे देश में विविध पर्व-त्योहारों को मनाने के पीछे वैज्ञानिक सोच व तत्व-दर्शन निहित है। होली के एक सप्ताह बाद मनाये जाने वाले शीतलाष्टमी त्योहार पर शीतला माता का पूजन कर व्रत रखा जाता है। मान्यता है कि माता के पूजन से चेचक, खसरा जैसे संक्रामक रोगों का मुक्ति मिलती है। चूंकि ऋतु-परिवर्तन के दौरान इस समय संक्रामक रोगों के प्रकोप की काफी आशंका रहती है। इसलिए इन रोगों से बचाव के लिए श्रद्धालु शीतलाष्टमी के दिन माता का विधिपूर्वक पूजन करते हैं जिससे शरीर स्वस्थ बना रहे।

इस व्रत में रसोई की दीवार पर हाथ की पांच अंगुली घी से लगाई जाती है। इस पर रोली और चावल लगाकर देवी माता के गीत गाये जाते हैं। इसके साथ, शीतला स्तोत्र तथा कहानी सुनी जाती है। रात में जोत जलाई जाती है। एक थाली में बासी भोजन रखकर परिवार के सारे सदस्यों का हाथ लगवाकर शीतला माता के मंदिर में चढ़ाते हैं। इनकी उपासना से स्वच्छता और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की प्रेरणा मिलती है।

शीतला माता की महत्ता के विषय में स्कंद पुराण में विस्तृत वर्णन मिलता है। इसमें उल्लेख है कि शीतला देवी का वाहन गर्दभ है। ये हाथों में कलश, सूप, मार्जन (झाड़ू) और नीम के पत्ते धारण किये हैं। इनका प्रतीकात्मक महत्व है। आशय यह है कि चेचक का रोगी व्यग्रता में वस्त्र उतार देता है। सूप से रोगी को हवा की जाती है। झाड़ू से चेचक के फोड़े फट जाते हैं। नीम की पत्तियां फोड़ों को सड़ने नहीं देतीं। रोगी को ठंडा जल अच्छा लगता है, अतः कलश का महत्व है। गर्दभ की लीद के लेपन से चेचक के दाग मिट जाते हैं। आमतौर पर शीतला रोग के आक्रमण के समय रोगी दाह (जलन) से निरंतर पीड़ित रहता है। उसे शीतलता की बहुत जरूरत होती है। गर्दभ पिंडी (गधे की लीद) की गंध से फोड़ों का दर्द कम हो जाता है। नीम के पत्तों से फोड़े सड़ते नहीं है और जलघट भी उसके पास रखना अनिवार्य है। इससे शीतलता मिलती है।

स्कंद पुराण में शीतला माता की अर्चना का स्तोत्र है शीतलाष्टक। माना जाता है कि इस स्तोत्र की रचना भगवान शंकर ने की थी। यह स्तोत्र शीतला देवी की महिमा का गान कर उनकी उपासना के लिए भक्तों को प्रेरित करता है।

वन्देऽहं शीतलां देवीं रासभस्थां दिगम्बरराम्,
मार्जनीकलशोपेतां शूपालंकृतमस्तकाम्।

अर्थात गर्दभ पर विराजमान दिगम्बरा, हाथ में झाड़ू तथा कलश धारण करने वाली, सूप से अलंकृत मस्तकवाली भगवती शीतला की मैं वंदना करता हूं। शीतला माता के इस वंदना मंत्र से स्पष्ट है कि ये स्वच्छता की अधिष्ठात्री देवी हैं। हाथ में मार्जनी (झाड़ू) होने का अर्थ है कि हम लोगों को भी सफाई के प्रति जागरूक होना चाहिए। कलश से तात्पर्य है कि स्वच्छता रहने पर ही स्वास्थ्य रूपी समृद्धि आती है। मान्यता के अनुसार, इस व्रत को रखने से शीतला देवी प्रसन्न होती हैं और व्रती के कुल में चेचक, खसरा, दाह, ज्वर, पीतज्वर, दुर्गंधयुक्त फोड़े और नेत्रों के रोग आदि दूर हो जाते हैं। माता के रोगी के लिए यह व्रत बहुत मददगार है।

लोक किंवदंतियों के अनुसार बासौड़ा की पूजा माता शीतला को प्रसन्न करने के लिए की जाती है। कहते हैं कि एक बार किसी गांव में गांववासी शीतला माता की पूजा-अर्चना कर रहे थे तो मां को गांववासियों ने गरिष्ठ भोजन प्रसादस्वरूप चढ़ा दिया। शीतलता की प्रतिमूर्ति मां भवानी का गर्म भोजन से मुंह जल गया तो वे नाराज हो गईं और उन्होंने कोपदृष्टि से संपूर्ण गांव में आग लगा दी। बस केवल एक बुढिया का घर सुरक्षित बचा हुआ था। गांव वालों ने जाकर उस बुढिया से घर न जलने के बारे में पूछा तो बुढिया ने मां शीतला को गरिष्ठ भोजन खिलाने वाली बात कही और कहा कि उन्होंने रात को ही भोजन बनाकर मां को भोग में ठंडा-बासी भोजन खिलाया। जिससे मां ने प्रसन्न होकर बुढिया का घर जलने से बचा लिया। बुढिया की बात सुनकर गांव वालों ने शीतलामाता से क्षमा मांगी और रंगपंचमी के बाद आने वाली सप्तमी के दिन उन्हें बासी भोजन खिलाकर मां का बसौड़ा पूजन किया।

संसार में दो प्रकार के प्राणी होते है। पहला सौर शक्ति प्रधान और दूसरा चान्द्र शक्ति प्रधान। सौर शक्ति के बारे में कहा जाता है कि सौर शक्ति जीव बहुत चंचल, चुलबुले, तत्काल बिगड़ उठने वाले और असहनशील होते हैं जबकि चान्द्र शक्ति प्रधान व्यक्ति

इसके विपरीत होते है। चान्द्र शक्ति प्रधान जीवों में प्रमुख गधा ही माता शीतला का वाहन हो सकता है। यहां गधा संकेत देता है कि चामुण्डा के आक्रमण के समय रोग का अधिक प्रहार सहन करते हुए रोगी को कभी अधीर नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त शीतला रोग में गर्दभी का दूध, गधा लोटने के स्थान की मिट्टी और गधों के संपर्क का वातावरण उपयुक्त समझा जाता है। कहते हैं कि कुम्हार को चामुण्डा का भय नहीं होता है। वहीं ऊंट वाले को कभी पेट का रोग नहीं होता। चामुण्डा शववाहना के अनुसार चामुण्डा का वाहन शव होता है। इसका तात्पर्य यह है कि चामुण्डा से आक्रान्त रोगी को शव की भांति निश्चेष्ट होकर उचित समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्य???क्तिगत ?विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ?निवार्य नहीं है)

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The hypocrisy of US farm trade demands

When I recently read that US Secretary of Commerce Howard Lutnick had very specifically asked India to open up its market for highly subsidised American farm produce, I was reminded of what former Chief Economist of the World Bank Nicholas Stern, during his travels in the country at that time, had succinctly remarked. It was something like this: "I agree it is a sin to provide the US farmers the kind of subsidies they get, but it will be a recipe for disaster if India does not open up."The same kind of hypocrisy has been exhibited time and again by successive US secretaries of agriculture, beginning with Ann Veneman (whose tenure during the times of George Bush Jr lasted from 2001 to 2005). Speaking at the International Food Policy Research Institute (IFPRI) in Washington DC, sometime later, I recall how unabashedly she endorsed the World Bank Chief Economist's ridiculous argument to force open Indian agriculture.In fact, there was a time when at least 14 agricultural commodity export groupings in the US had written to the US Trade Representative (USTR) seeking a cap on India's product-specific support in the name of minimum support price (MSP), so as to open up the field for US exports to India.I am, therefore, not surprised at the unwanted trade war that US President Donald Trump has launched. It is very obvious what the US could not achieve from prolonged multilateral negotiations at the World Trade Organisation (WTO), Trump is now being wrongly advised by billionaires around him to force the developing countries into submission.

With many major economies now beginning to stand up in defiance, I don't think India should give the impression that it is ready to crawl, when it has only been asked to bend.Let me narrate another story here. Years back, former US President Bill Clinton had remarked that the US would not trade with China because of its 'bad' human rights record. The next day, I happened to switch on the BBC TV channel where a journalist was asking the then Chinese President: "How would you respond to the US President's threat of stopping trade with China?" His reply was equally curt: "Trading with the US? We haven't traded with the US for over 4,000 years, so how does it matter?"

Following this statement, the next day the US business and industry were up in arms against its own President's call for stopping trade with China. Bill Clinton eventually bowed before the domestic industry and never again raked up the issue.Returning to the new tariff war in the offing, Trump may blast India for being the 'tariff king' when it comes to restricting the entry of American farm products (India imposes an average of about 39 per cent tariffs against 5 per cent by the US), the reality is that the tariffs India imposes are WTO-compliant. Based on the level of the country's development and the 'special and differential treatment' spelled out in trade books, let it be known that at no stage has India violated the WTO norms.India's relatively higher tariffs are based on the enshrined trade principles and are not driven bythe whims and fancies of one person.

On the other hand, it is the massive subsidies that the US provides for agriculture which are actually the problem. So much so, that writing in the Financial Times (July 21, 2006), the then EU Trade Commissioner, Peter Mandelson, clearly stated that developing countries say that they are prepared to import more US farm goods but not US farm subsidies.He quoted the then Commerce Minister of India, Kamal Nath, who had said: "We don't mind competing with American farmers but we cannot take on the US Treasury."Over the years, the US has only strengthened the protective fortress it has built around its highly subsidised agriculture.As per the Economic Research Service of the US Department of Agriculture, payments made under the direct government agriculture programme to farmers and ranchers is expected to go up to $42.4 billion in 2025, against the earlier projection for 2024 at $9.3 billion. On a per farmer basis, the US government pays an equivalent ofRs 26.8 lakh per annum.Take the specific example of cotton, which has remained a contentious issue in the WTO negotiations.

The international divide over the Ukraine conflict

With his push for a peace deal in Ukraine, Trump is seeking to cut America's losses and shift its strategic focus and military resources towards the Indo-Pacific.

At a time of rising geopolitical tensions and deepening global fragmentation, the Ukraine war has proved particularly divisive. From the start, the battle lines were clearly drawn: Russia on one side, Ukraine and the West on the other, and much of the Global South hoping only for the conflict to end.Now, however, alignments are shifting. Whether this will advance efforts to resolve the conflict and strengthen global stability reains to be seen.

After more than three years, Europe — including the European Union, the United Kingdom and Norway — remains largely steadfast in its support of Ukraine.

The largest armed conflict in its neighbourhood since World War II has deeply affected the European psyche as it has challenged basic assumptions about continental security and revived the spectre of nuclear annihilation that loomed over Europe throughout the Cold War.

The prevailing view has always been that a Russian "victory" — including a peace deal that ceded some Ukrainian territory to Russia — would amount to an "existential threat."The United States, however, has decided that it no longer wants to "pour billions of dollars" into what Secretary of State Marco Rubio calls a "bloody stalemate, a meat-grinder-type war."So, US President Donald Trump is seeking to negotiate a peace deal with Russian President Vladimir Putin. To press Ukraine to accept the concessions such an agreement will undoubtedly entail, the Trump administration suspended and later resumed military aid and intelligence support.

This is not about ending a "savage conflict" for "the good of the world," as Trump claims. While years of sanctions were supposed to drain Russia, economically and militarily, to America's benefit, they bolstered an unholy Sino-Russian alliance against the West, while sustaining a conflict that kept US attention and resources in Europe.

With his push for a peace deal in Ukraine, Trump is seeking to cut America's losses and shift its strategic focus and military resources towards the Indo-Pacific — the home of America's real enemy: China.As Trump's predecessor Joe Biden recognised, only China has the resolve and capability to surpass the US as the foremost world power. Yet, the US still has more than 1,00,000 troops stationed in Europe.That is why US Defense Secretary Pete Hegseth recently warned that the US can "no longer tolerate" an "imbalanced" transatlantic relationship that "encourages dependency." Europe must take "responsibility for its own security," Hegseth said, so that the US can focus on "deterring war with China."

The question is whether Europe is capable of managing its own security. The answer probably should be yes.

As Polish Prime Minister Donald Tusk recently pointed out, Europe does not lack economic strength. Nor does it lack people: there are "500 million Europeans begging 300 million Americans to defend them against 140 million Russians." What is missing is the European Union's belief that it is a "global power." The result is a rudderless Europe.When it comes to supporting Ukraine, Europe has another critical shortcoming. As NATO Secretary-General Mark Rutte has noted, Europe lacks the necessary military-industrial base to provide sufficient arms support to Ukraine. That is why some, including Rutte, want to make a deal with the US: you keep supplying Ukraine with weapons, and we will foot the bill.Unless the Trump administration accepts such an arrangement, the British-French plan to build a "coalition of the willing" to do the "heavy lifting" on Ukrainian security will face powerful headwinds.Meanwhile, the Global South is still struggling to cope with the Ukraine war's economic fallout, especially sharply higher food and energy prices, which have had particularly devastating consequences for small and vulnerable developing countries with limited foreign reserves.Sri Lanka is a case in point. In the months that followed Russia's full-scale invasion of Ukraine, skyrocketing global prices drained its reserves, leading to fuel, food, medicine and electricity shortages. The resulting economic meltdown pushed a frustrated population over the edge, triggering widespread protests that toppled a political dynasty.This explains why developing countries remain largely unified in advocating an early negotiated end to the war, even if that means leaving a sizable chunk of Ukrainian territory under Russian occupation.If anything, calls for a peace agreement have grown since 2023, with even NATO member Turkey and close US ally Israel charting more independent stances on the conflict.It does not help that for many countries in the Global South, the West's contrasting responses to the wars in Ukraine and Gaza reek of hypocrisy.or now, Ukraine and Europe remain committed to seeking peace through strength. But as admirable as Ukraine's resistance has been, and as important as it is to defend the international legal principles of sovereignty and territorial integrity that Russia has flagrantly violated, the fact is that the conflict has reached a stalemate, while the international fallout continues to grow.

Truce in tatters

Israeli strikes push Gaza to the brink

The latest Israeli strikes on Gaza, which have killed over 400 people, mark the near-total collapse of a fragile ceasefire that was supposed to ease hostilities. Instead, the region has been plunged back into turmoil, with civilians once again paying the highest price. Israel defends its renewed assault as a necessary move to free hostages still held by Hamas. Meanwhile, the Palestinian militant group claims it adhered to the truce terms and was ready for negotiations. The hostages remain caught in a diplomatic deadlock, their fate overshadowed by escalating violence.Gaza's humanitarian crisis is now at catastrophic levels. Hospitals are overwhelmed, aid remains blocked and every airstrike only fuels further devastation. The destruction has spread beyond military targets, levelling homes, schools and entire communities. Israel's offensive not only intensifies suffering in Gaza but also risks igniting a broader regional

conflict, drawing in actors like Iran, Hezbollah and Yemen's Houthis. A single miscalculation could escalate the war, dragging the West Asian region into deeper instability.International responses have been predictably weak. The UN has condemned the attacks and Egypt has called for restraint, but these appeals have done little to halt the bloodshed. The US, Israel's key ally, must push harder for immediate de-escalation rather than merely reiterating its support for Israel's right to self-defence. Without meaningful international intervention, the humanitarian toll will only worsen. At its core, this war is about survival and security. Israel insists Hamas must be dismantled for long-term peace, but at what cost? Every strike destroys not just infrastructure but also the very possibility of coexistence. The ceasefire was never a permanent solution, but its collapse reveals a grim truth: without a serious political roadmap, this cycle of violence will only repeat.

Takeaways from Sunita's space saga

The focus should be on helping astronauts remain healthy during long-duration missions

THE extended stay of astronauts Sunita Williams and Butch Wilmore in space has finally ended. The two have returned to the earth after staying on the International Space Station (ISS) for 286 days. Astronauts from various countries now frequently go into space and stay at the space outpost for periods ranging from a few days to months. The trip of Sunita and Wilmore, however, attracted global attention because it was scheduled to last eight days but they ended up being there for almost nine months. This was because the space module made by Boeing that transported them to space developed a snag and was considered unfit to transport human crew back to the earth. NASA did not want to take chances with the safety of its crew and waited this long till a suitable module became available.Astronauts generally train on specific modules slated to transport them to space. To bring them back in a module with which they were unfamiliar would have been risky. The two have returned in the four-seater module that was docked with the ISS in September last year. It is commanded by the same astronaut duo (an American and a Russian) which travelled in it at that time.The popular use of words like 'stranded' and 'stuck' to describe the longer-than-planned stay of Sunita and Wilmore on the ISS appears misplaced. It was not the first time astronauts stayed on the ISS for this long. Nor was it a new experience for Sunita. The ISS has been around for almost 25 years and has been continuously occupied by astronauts from the US, Russia, Europe, Japan, etc. for different lengths of time. The orbiting laboratory, assembled block by block since 1998, is the size of a football field with living modules and places for astronauts to work as well as docking ports where modules ferrying astronauts or supplies dock.At any given time, the space station has four to eight astronauts from different countries engaged in biological, biomedical and plant-related experiments. This week, the station had 11 astronauts for a short time. Besides participating in experiments, they carry out tasks like deploying satellites and maintenance of the orbiting platform. This involves repairing external parts like robotic arms through spacewalks. As the space station is occupied all the time, it is continuously supplied with food and other essentials through cargo missions. This means that Sunita and Wilmore were neither in isolation nor stranded like astronauts in some sci-fi movies.

Living in space for 286 days may sound like a long time, but it is not something new. The record of the longest continuous stay on the ISS is held by Frank Rubio, who completed a single mission aboard the station of 371 days in September 2023. He surpassed the earlier record of 355 days set by Mark Vande Hei in 2022. The long stays on the ISS still fall short of what some Soviet cosmonauts did on the Soviet station, Mir, which preceded the ISS. Mir set several records in long-duration spaceflight. Physician-cosmonaut Valeri Polyakov lived aboard Mir for a single continuous-orbit stay of 437 days during 1994-95. Three astronauts currently on the Chinese space station, Tiangong, have spent 139 days continuously, with one of them, Cai Xuzhe, having logged a cumulative 320 days in space.One of the primary goals of operating space stations is to explore the possibilities of long-term stay in space, particularly the impact of living in microgravity conditions on the human body. Bone and muscle loss during long stays in space is of great concern. Since the 1970s, when such experiments began with Salyut and Skylab, scientists have gathered a lot of data. Many experiments are designed to collect biomedical data. For instance, Wilmore, during the current expedition, helped

install a device that combines cycling, rowing and resistance exercises to help astronauts remain healthy on long-duration missions. It can help counter bone and muscle loss and improve cardiovascular health. Another experiment involved collecting cardiovascular data like heart rate, breathing rate, blood pressure and temperature using a set of garments fitted with sensors. All this is aimed at countering the health impacts of long-duration space expeditions. If humans are to inhabit the moon or travel to Mars, astronauts' health has to be the top priority.After the experience of Soviet and American space stations in the 1970s and 1980s, it was felt that maintaining a space lab is a costly affair. The ISS, therefore, was developed as an international endeavour. Five space agencies — NASA, Canadian Space Agency, European Space Agency, Japan Aerospace Exploration Agency and Roscosmos — operate the station, with each responsible for managing and controlling the hardware it provides. The participation of astronauts is not restricted to these five agencies. The ISS has hosted over 260 of them from 21 countries in some 60 expeditions since 2000. India is going to join this list with astronaut-candidate Shubhanshu Shukla slated to fly to the ISS soon. While the ISS is projected to last till 2030, China has developed its space station and an Indian station is estimated to be ready by 2035.

The space station exercise began as a Cold War-era project, then became an international project, and appears to be once again an exercise about supremacy in space, with nations building separate space stations.

In America, there is a decisive shift towards private companies leading the space race, beginning with space transportation systems. SpaceX, Boeing and other private firms are working closely with NASA in servicing the ISS as well as working on ambitious lunar and Mars exploration projects. With SpaceX promoter Elon Musk becoming a key decision-maker in the Trump administration and billionaire astronaut Jared Isaacman nominated to lead NASA, private companies are likely to have a greater share of the space pie in the future. They are going to benefit from the experience of veteran astronauts like Sunita and Wilmore in designing missions and running operations. Hopefully, the spirit of innovation and adventure at the core of space exploration will survive.

Smallcap, midcap stocks gain momentum. Good news for mutual funds too

Given the correction, some analysts have indicated that quality smallcap and midcap stocks could start regaining some momentum. But does this apply to smallcap and midcap mutual funds too?

New Delhi. Smallcap and midcap stocks are back in action after suffering a massive correction over the past six months. This has come as a relief to retail investors who are invested in broader market segments.Usually considered riskier than largecap stocks, smallcap and midcap stocks are known for providing higher returns. However, market experts have stated that smallcap and midcap stocks in India are massively overvalued courtesy of the market boom in 2023.All that changed during the market correction that started in the latter half of 2024, with several stocks down even 60-70%. Given the correction, some analysts have indicated that quality smallcap and midcap stocks could start regaining some momentum.But does this apply to smallcap and midcap mutual funds too? Experts told IndiaToday.in that there has only been some recovery this month and the valuations are still not attractive enough.Nilesh D Naik, Head of Investment Products, Share.Market (PhonePe Wealth), said, "Given the current valuations and recent slowdown in earnings growth, it's unlikely that they will go back to their previous highs in the very near term.""While there may be some valuation comfort in select small and midcap stocks, at a broader level their valuations are still not very cheap," Naik explained.However, Naik did mention that it could be a good time for long-term investors to increase exposure to smallcap and midcap funds by systemically accumulating units. But he warned that they should also have the "risk tolerance to withstand higher volatility associated with these segments."Meanwhile, Sandeep Bagla, CEO of TRUST Mutual Fund, shared a broader view on the classification of stocks into mutual funds."The classification of Indian stocks into large, mid-, and small-caps is dated and needs an overhaul, as a number of companies that were earlier small have now grown in size considerably," Bagla said."India is a structural growth story that is going through a cyclical slowdown. Markets are forward-looking. The start of the next financial year should see easier monetary conditions, lower rates, and improvement in overall lending and liquidity conditions.

Rupee heads for best week in 2 years as dollar inflows rise

New Delhi. The rupee looks set for its best week in the past two years as it gained 0.3% on Friday, supported by strong dollar inflows. The local currency continued its upward movement, even as most other Asian currencies struggled.At 1 pm, the rupee was trading at 86.07 against the US dollar, extending its weekly gain to 0.72%. This marks the strongest weekly performance for the rupee since 2022.

The rise is largely driven by dollar inflows through foreign banks and traders unwinding their long-dollar positions.Rupee hit a record low of over 87 against the US dollar for the first time ever in early February this year as a reaction to US President Donald Trump's tariffs.

FOREIGN INFLOWS DRIVE RUPEE

Currency traders reported that major foreign banks were involved in significant dollar inflows this week. A bank trader told Reuters that these banks had been offering dollars throughout the week, helping the rupee appreciate.One reason behind the inflows could be the funds raised in anticipation of the Reserve Bank of India's (RBI) upcoming forex swap next week, the trader added. However, he also pointed out that the rupee is likely to face strong resistance at its current level, which may prevent further gains.On Friday, additional support for the rupee came from equity-related inflows linked to the rebalancing of the FTSE All-World Index. The rebalancing, which takes effect from Friday, is expected to bring in about $1.5 billion in foreign investments.

ASIAN CURRENCIES FALL, BUT RUPEE HOLDS STEADY

While the rupee made gains, most Asian currencies weakened on Friday. The US dollar index edged up slightly, keeping pressure on emerging market currencies.Market participants are closely watching developments in US trade policy and economic data, which could influence global currency movements in the coming weeks.

Is the foreign selling crisis finally over on Dalal Street

New Delhi. The relentless foreign sell-off that dragged Dalal Street into a six-month downturn appears to be losing steam. Data suggests that foreign investors bought shares worth Rs 3,239 crore on March 20, making it only the fifth instance when FIIs turned net buyers. FIIs also bought net shares worth Rs 1,462 crore on March 18.In total, FIIs have been net buyers in two out of the past four sessions this week. While this may not be much compared to the massive sell-off over the past six months, it has set off a rally on Dalal Street, which is set for one of its best weekly runs this year.

But their lendings are largely focused on real estate development projects and low-rated, financially weak customers, leaving them vulnerable to economic cycles, and leading to a decline in profitability and worsening financial status.IS THE FOREIGN SELLING OVER ON D-STREET?

The sustained sell-off by foreign institutional investors (FII) amounted to over Rs 2.4 lakh crore in the six-month period between October and March. This month too, FIIs sold equity holdings worth over Rs 30,000 crore.The FII sell-off has been the primary reason behind the prolonged correction and anxiety on Dalal Street as it completely shattered the confidence of retail investors. But the reduced selling has offered a glimmer of hope to retail investors who have rushed in to pick up stocks at cheaper valuations this week.

Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "The main driver of the rally is the buying by FIIs in the cash market in two days and perhaps, more importantly, a sharp decline in their short positions and an increase in long positions in the futures market."

Unified Pension Scheme: Who can join and how much to contribute

New Delhi. The Pension Fund Regulatory and Development Authority (PFRDA) has announced new rules for the Unified Pension Scheme (UPS), which will be effective from April 1, 2025.The said rules, called "Pension Fund Regulatory and Development Authority (Operationalisation of Unified Pension Scheme under National Pension System) Regulations, 2025" have been notified on March 19, 2025.This scheme will be available as an option for central government employees who are currently under the National Pension System (NPS).UPS will be available to central government employees who meet specific criteria. This includes existing employees under NPS as of 1st April 2025. It also includes newly recruited employees joining central government services on or after April 1, 2025 (must opt in within 30 days of joining).

Those who retired from NPS on or before 31st March

2025, whether through superannuation or voluntarily, can also participate.Furthermore, the legally wedded spouse of a retired employee who passed away before making the UPS choice is also eligible.Here, it must be mentioned that once enroled for the UPS, the decision cannot be reversed. Those opting for UPS cannot claim any additional financial benefits or policy changes later.WHAT IS THE MONTHLY CONTRIBUTION UNDER UPS?As per the gazette notification, employees will contribute 10% of their basic pay and dearness allowance (DA) each month.

Government to lapse $23 billion scheme to boost domestic manufacturing: Report

The Production-Linked Incentive (PLI) scheme, introduced in 2020, aimed to increase manufacturing's share of India's economy to 25% by 2025.

New Delhi. The government is likely to let its $23 billion domestic manufacturing incentive program lapse, just four years after its launch, reported news agency Reuters.

The initiative, which was designed to attract firms away from China and boost local production, will not be extended beyond the 14 pilot sectors, and production deadlines will not be pushed forward despite requests from some companies, as per four government officials mentioned in the report.

COMPANIES STRUGGLE TO MEET TARGETS

The Production-Linked Incentive (PLI) scheme, introduced in 2020, aimed to increase manufacturing's share of India's economy to 25% by 2025.The program offered cash incentives to companies that met production goals, attracting major global players such as Apple supplier Foxconn and Indian conglomerate Reliance Industries.

However, many firms either failed to start production or faced delays in receiving incentives, government documents and correspondence reviewed by Reuters showed.

As of October 2024, companies had produced $151.93 billion worth of goods under the program—just 37% of the target. Meanwhile, only $1.73 billion in incentives had been disbursed, accounting for less than 8% of the allocated funds.

Despite earlier commitments, the government has now decided not to extend the program. Indiatoday.in has not been able to verify this.Since the launch of the initiative, manufacturing's share of India's economy has actually dropped from 15.4% to 14.3%.

GOVERNMENT PLANS NEW STRATEGY

Two government officials told Reuters that India is not giving up on its manufacturing ambitions. The government is considering a new approach, which may involve partially reimbursing investment costs to help companies recover expenses faster.

Another official mentioned in the report said that bureaucratic delays and red tape had slowed the success of the PLI scheme. Some food-sector firms failed to receive incentives due to non-compliance with investment thresholds and minimum growth requirements, according to a government analysis seen by Reuters.

Despite the setbacks, India has made notable progress in certain areas as mobile phone production reached $49 billion in FY24, up 63% from 2020-21. Meanwhile, pharmaceutical exports nearly doubled to $27.85 billion in FY24 compared to a decade ago.

SBI Card Flexipay: Know how to convert credit card payments into EMIs

New Delhi. Large credit card bills can be tough to manage. But SBI Card's Flexipay facility makes it easier. Through this facility, cardholders can turn big purchases into easy monthly installments (EMIs), thereby eliminating the hassle of paying a lump sum amount all at once and making it simpler to take care of your finances.Let us have a quick look into SBI's Flexipay feature, eligibility criteria and other details.

KNOW SBI's FLEXIPAY

Flexipay is a feature offered by SBI Card that lets you convert your transactions into easy instalments. You can convert transactions of Rs 500 or more into EMIs. It offers multiple repayment tenure options, such as three, six, nine, 12, 18 and 24 months.However, one can even opt for a 36-month EMI plan for purchases of Rs 30,000 or more. The minimum booking amount for Flexipay is Rs 2,500, though this may vary based on offers. Also, transactions done within the last 30 days can be converted into Flexipay.

It must be noted that before opting for EMIs, one must keep track of your credit score and credit utilisation ratio.WAYS TO CONVERT SBI CREDIT CARD PAYMENTS INTO EMIs

SBI Card provides several ways of converting credit card transactions into EMIs.One option is through internet banking, where users can log in to their SBI Card online account, go to the 'EMI & More' section, and select 'Flexipay'. Now choose the transaction you want to convert, pick a suitable tenure, and confirm the request.

Customers can call the SBI Card customer service helpline listed on the official website and request EMI conversion with the assistance of the SBI Card customer support team. The representative will guide you step by step.Further, users can also use the SBI Card Mobile App, access the Flexipay option, modify the transaction amount if required, select a tenure, and apply.

Morgan Stanley to layoff 2,000 employees to boost efficiency

New Delhi. Morgan Stanley is planning to lay off nearly 2,000 employees later this month. This move is aimed at improving operational efficiency, according to a source familiar with the matter, reported Reuters.

The said job cuts will affect 2% to 3% of the company's workforce, but financial advisers will not be impacted.The investment banking company had over 80,000 employees worldwide by the end of 2024. The layoffs are not linked to current market conditions, the source mentioned.In fact, several renowned banks have been reducing their workforce recently as they brace for economic uncertainty following President Donald Trump's newly announced trade tariffs.

Goldman Sachs plans to reduce its workforce by 3% to 5% as part of its annual review process.Also, Bank of America recently cut 150 junior banker positions in its investment banking division.It must be noted that bankers were expecting a strong rebound in capital markets after Trump's re-election. However, uncertainty over trade policies has made businesses hesitant about big financial moves.

Meanwhile, Daniel Simkowitz, Morgan Stanley Co-President, mentioned that new stock offerings and mergers are currently on hold or facing stricter conditions due to policy uncertainties. However, the bank continues to expand its senior investment banking team.

Tata Group quietly becomes Tesla's global supplier: Report

Tata Group quietly becomes Tesla's global supplier: Report

New Delhi. The Tata Group has quietly become a global supplier to Tesla, the world's most valuable electric vehicle (EV) company, according to a report by The Economic Times (ET).Several Tata companies, including Tata AutoComp, Tata Consultancy Services (TCS), Tata Technologies, and Tata Electronics, are now part of Tesla's supply chain, providing crucial components and services.ET reported that these Tata firms have already signed global agreements with Tesla and are supplying various parts and services. Their involvement is expected to grow further, especially if Tesla sets up a manufacturing unit in India.Sources told ET that Tesla's senior procurement officials have been in discussions with Indian suppliers about manufacturing specific components. These include castings, forgings, electronics, and fabrication parts.

"Tesla is, in a way, readying the supplier base in India. We are very sure that once Tesla starts manufacturing here, Indian suppliers will benefit from sourcing opportunities," a source cited in the report told ET.The value of Indian suppliers' contribution to Tesla is already significant. In FY24, Indian companies supplied nearly $2 billion worth of components to Tesla. As the EV maker looks to diversify its supply chain, its sourcing from India is expected to increase.

TESLA'S EXPANSION PLANS AND INCENTIVES

Tesla has been evaluating its options for manufacturing in India. However, the company is closely monitoring government incentives, tax benefits, and potential duty waivers before making a final decision.Tesla has strict non-disclosure agreements with its suppliers, preventing them from revealing details about their contributions as per the report.

While Tesla has not confirmed its manufacturing plans, it has been in talks with several states, including Rajasthan, Gujarat, Tamil Nadu, Maharashtra, and Telangana, to explore setting up a production facility. If Tesla moves ahead with its India plans, Tata's role in its supply chain could grow even further.

WHAT TATA GROUP COMPANIES ARE SUPPLYING

According to ET, different Tata Group companies are providing specialised products and services to Tesla:

Tata AutoComp is supplying engineering products for EVs.Tata Technologies is offering end-to-end product lifecycle management.TCS is providing circuit-board technologies.Tata Electronics is expected to supply semiconductor chips once its local manufacturing plant becomes operational.Tesla may also look to Tata Electronics for printed circuit board assemblies (PCBA), which are critical for battery management systems, motor controller units, and door control mechanisms.

TESLA'S WIDER SUPPLY CHAIN SHIFT

As per the report, Tesla is now sourcing from over a dozen Indian companies beyond the Tata Group. These include Samvardhana Motherson, Suprajit Engineering, Sona BLW Precision Forgings, Varroc Engineering, Bharat Forge, and Sandhar Technologies.

Tesla has reportedly instructed suppliers to shift production of certain parts outside of China and Taiwan by next year. This is part of its broader strategy to reduce dependence on China, particularly after the supply chain disruptions caused by the Covid-19 pandemic.

Tesla manufactures key EV components like electric motors, battery packs, and chargers in-house. However, it depends on external suppliers for various subassemblies and smaller components.

UP man self-operates after watching YouTube tutorial, hospitalised

When Raja Babu didn't find any relief after consulting several doctors, he decided to take matters into his own hands. After watching several videos on YouTube, he purchased medicines from a medical store, and then attempted the surgery on himself.

New Delhi. A man was admitted to a hospital in Uttar Pradesh's Mathura after he attempted to perform surgery on himself by watching YouTube videos, as he was experiencing severe abdominal pain.

When Raja Babu, 32, didn't find any relief after consulting several doctors, he decided to take matters into his own hands. After watching several videos on YouTube, he purchased medicines from a medical store, and then attempted the surgery on himself based on what he had seen online.

When his condition worsened, his family rushed him to the hospital for treatment.

Raja Babu had been suffering from abdominal pain for several days. Even after consulting doctors, his pain did not subside. According to him, when the pain became unbearable, he went to Mathura and bought a surgical blade, stitching materials, and anesthetic injections. On Wednesday morning, he began performing the operation in his room. After a while, when the effect of the anesthesia wore off, he started experiencing intense pain and went outside screaming.

Hearing his cries, the family was stunned and immediately rushed him to the hospital. Confirming the incident over the phone, his nephew Rahul told , "He performed the surgery on himself after watching YouTube videos." Rahul, who brought his uncle to the district hospital, further said that about 18 years ago, Raja Babu had undergone appendix surgery.

He had been experiencing abdominal pain for the past few days and, despite consulting several doctors, got no relief. That's when Raja Babu decided to treat himself. However, as his condition worsened, Raja Babu was referred to Agra's SN Hospital for further care.

Wife watching porn, masturbating not grounds for divorce: Madras High Court

In a recent ruling, the Madras High Court ruled that a wife watching porn or engaging in self-pleasure or masturbation cannot be grounds for divorce.

New Delhi. Watching porn or masturbation cannot be grounds for a husband to seek divorce from his wife, the Madras High Court recently ruled. A bench of Justices GR Swaminathan and R Poornima observed that watching porn, which does show women in a degrading manner and may not be morally justifiable, in private is not an offence. They said while watching porn may impact the viewer in the long run, if the woman does it in private without compelling her spouse to join, it would not amount to marital cruelty, Bar and Bench reported.

"Merely watching porn privately by itself may not constitute cruelty to the petitioner. It may affect the psychological health of the viewing spouse. That by itself will not amount to treating the other spouse cruelly. Something more is required. If a porn watcher compels the other spouse to join him or her, that would certainly constitute cruelty. If it is shown that on account of this addiction, there is an adverse impact on the discharge of one's conjugal obligations, then it could furnish an actionable ground," the March 19 ruling said. The bench noted that personal and community standards of morality and breach of law cannot be deemed the same.

The High Court said that it would be a gross violation of a woman's sexual anatomy to ask her to respond to such an allegation. It further questioned the stigma attached to a woman's

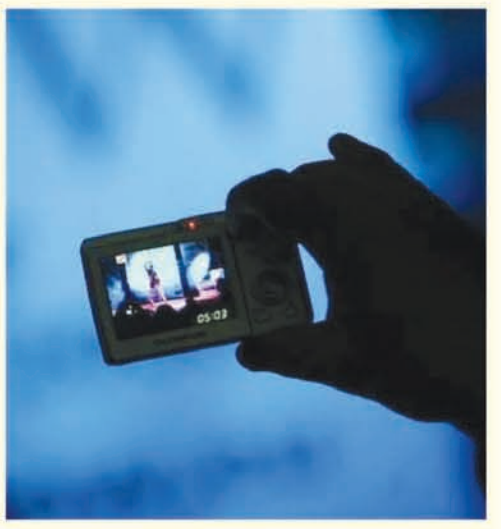

masturbation, when there is none linked to men.

"When masturbation among men is acknowledged to be universal, masturbation by women cannot be stigmatised. While men cannot engage in sexual intercourse immediately after indulging in masturbation, that would not be the case with women. It has not been established that the conjugal relationship between the spouses would suffer if the wife has the habit of masturbation," the Madras High Court said.

The observations were made when the court rejected a man's petition for a divorce from his wife on grounds of cruelty. In this matter, he made multiple allegations against his wife, including her being addicted to porn, indulging in masturbation, refusing to do household chores and engaging in long phone conversations. The man also alleged she mistreated her in-laws and was prodigal.

The High Court, however, found that he was not sufficiently able to prove any of the allegations. The man also alleged his wife to have suffered from a sexually transmitted disease (STD), but the court said he only referred to random reports by an ayurvedic centre to back his claim. Owing to the absence of a blood test report, the Court rejected his allegation.

The bench noted that a woman retains her right to spousal privacy even after marriage, including elements of her sexual anatomy. "If after contracting marriage, a woman has sexual relationship outside marriage, it would furnish ground for divorce. However, indulging in self-pleasure cannot be a cause for dissolution of marriage. By no stretch of imagination, can it be said to inflict cruelty on the husband," the Court ruled.

Terrorists no longer glorified, buried on the spot in J&K: Amit Shah

New Delhi. Union Home Minister Amit Shah on Friday said that after the removal of Article 370, the involvement of Indian youth with terrorists in Jammu and Kashmir has almost disappeared. Speaking in the Rajya Sabha during a discussion on the working of the Ministry of Home Affairs, Shah asserted that terrorist glorification, which was once common under UPA rule, came to an end during the NDA's decade-long rule.

"Ten years ago, funeral processions for terrorists were common, and people would glorify them. But now, when terrorists are killed, they are buried on the spot. Their relatives, who once enjoyed government perks, have been ruthlessly removed from government posts to send a strong message," he said.

Highlighting the Narendra Modi government's firm stance on terrorism, Shah stated that incidents of terrorism in Jammu and Kashmir have significantly declined. Comparing figures, he said that between 2004 and 2014, the region saw 7,217 terror incidents, whereas between 2014 and 2024, this number dropped to 2,242. He also noted a 70 percent reduction in deaths due to terrorism under the Modi government.

Shah reiterated that the PM Modi government follows a "zero-tolerance policy" towards terrorism, unlike previous administrations, which he accused of being soft on terror. He said that earlier, no concrete action was taken after terror attacks, and people would eventually forget them. However, after the deadly attacks in Uri and Pulwama, India conducted surgical and air strikes against Pakistan within ten days, sending a strong message.

Discussing the region's transformation, the Home Minister said that security and stability in Kashmir have allowed normal life to resume. "Cinema halls in Kashmir now remain open during the evenings, a G20 meeting was successfully held, and even the Muharram procession, which was banned for decades, took place," he said.

He also highlighted the Modi government's efforts to boost employment and industrial investment in Jammu and Kashmir. "From 2019 to 2024, 40,000 government jobs have been provided, and 1.51 lakh self-employment opportunities have been created. Skilling clubs have been set up to train the youth," he said.

ED arrests Tamil Nadu man in money laundering case linked to SDPI-PFI

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) arrested a man from Coimbatore in Tamil Nadu following a fresh round of searches in a money laundering case against the Social Democratic Party of India (SDPI), the political wing of the banned Popular Front of India (PFI), official sources said.

An individual identified as Wahidur Rahman Jainullabudeen was taken into custody under the Prevention of Money Laundering Act (PMLA) from Mettupalayam in Coimbatore district on Thursday, the sources said. The Enforcement Directorate made the arrest after conducting searches at his residence. Jainullabudeen has been brought to Delhi and is expected to be produced before a special PMLA court on Friday. Fresh raids were carried out by the ED on Thursday in Tamil Nadu, Rajasthan, West Bengal, and Kerala. In Kerala, the agency conducted a search at the residence of Nishad, a former divisional secretary of the banned Popular Front of India, in Vazhoor, Kottayam district. The federal probe agency had carried out its first round of searches in the case in the first week of March, during which it arrested MK Faizy, the national president of the SDPI.

The ED told the court while seeking Faizy's remand that there existed an "organic" relationship between the two outfits and that the PFI was carrying out its criminal activities through the SDPI. The Centre banned the PFI in September 2022, declaring it an unlawful association and alleging that it engaged in terrorist activities. The ban followed multi-agency searches conducted by the ED, the National Investigation Agency (NIA) and various state police forces. Founded in 2009, the SDPI is registered as a political party with the Election Commission of India. Seeking Faizy's remand earlier this week, the ED told the court that the PFI and the SDPI were "organically" linked, asserting that the latter was nothing more than the "political front" of the former, "funded and controlled" by it.

Deportation of Indians soared during Trump 1.0, halved under Biden: Data

New Delhi. The United States deported over 6,000 Indian nationals under US President Donald Trump's first term (2017-2021), while only 3,000 were sent back during the tenure of Joe Biden, according to data shared by the External Affairs Ministry (MEA) in Parliament. In his second term, Trump has already deported 388 Indians and 295 more would be returning from the US soon - an issue that rocked Parliament last month.

Data shared by the MEA shows that between 2017-2021, 6,135 Indians were deported from the US, with the highest being in 2019 (2,042). While 1,024 Indians were deported in 2017, 1,180 were sent back in 2018, and 1,889 in 2020.

In Joe Biden's tenure (2021-2025), the deportation of Indians nearly halved from that during the Trump regime. Data shows 3,652 Indians were sent back in the four years under Biden, with the highest being in 2024 at 1,368.

The issue sparked protests in Parliament, with the opposition

flagging the manner in which the deportees were handcuffed, and their legs chained while being sent back.

"The government has strongly registered its concerns with the US authorities about the treatment meted out to deportees on the February 5 deportation flight, particularly with respect to the use of shackles, especially on women," the MEA stated. The ministry said after it raised the issue with the US, no women or children were restrained on the deportation flights that landed in India on February 15 and 16 respectively.

The MEA also said that 40% of the Indians deported by the US last month belonged to Punjab and 34% to Haryana, justifying the reason why the US military flights landed in Amritsar.

In its written reply, the MEA also said that the detainees were not instructed by the US authorities to remove any religious head coverings during the flight.

The Trump administration has launched a massive crackdown on illegal immigrants. The US deported 37,660 migrants during Trump's first month in office, Reuters reported.

Tulsi Gabbard's India visit highlights Trump-PM Modi bond: US spy chief's office

'This visit highlights the decades-strong US-India relationship that is bolstered by the leadership of and friendship between Prime Minister Modi and President Donald Trump,' a statement from Tulsi Gabbard's office read.

New Delhi. US spy chief Tulsi Gabbard's visit to New Delhi highlighted how the strong bond between Prime Minister Narendra Modi and President Donald Trump has "bolstered" the already robust India-US ties, according to a statement from the office of the US Director of National Intelligence (DNI).

"In India, the DNI held several bilateral engagements, including with Indian Prime Minister Narendra Modi. This visit highlights the decades strong US-India relationship that is bolstered by the leadership of and friendship between Prime Minister Modi and President Donald Trump," a statement from the office of DNI read.

The US spy chief's visit to India was part of her first multi-nation trip, which included stops in Hawaii, Japan, Thailand, and France.

In India, Gabbard held high-profile meetings with PM Modi, Defence Minister Rajnath Singh and NSA Ajit Doval. She also attended the Raisina Dialogue in New Delhi "where she delivered keynote remarks on the collective effort to drive toward President Trump's goals of a peaceful, free, secure, and prosperous society."

Gabbard's meetings in India focused on intelligence-sharing, defence, counterterrorism, and transnational threats, read the statement.

Rs 7,000 crore deal for gun systems approved, boosting Army's capabilities

New Delhi. In a major boost to the Indian Army's indigenous artillery capabilities, the PM Modi-led Cabinet Committee on Security (CCS) cleared the Rs 7,000 crore deal for advanced towed artillery gun systems (ATAGS) on Wednesday.

This is a major development as the Army intends to modernise its artillery, with a focus on increasing the range and firepower with the indigenous Advanced Towed Artillery Gun System (ATAGS).

The Army will now advance in the procurement of the Advanced Towed Artillery Gun System (ATAGS), a state-of-the-art 155mm howitzer developed indigenously. The acquisition of 307 ATAGS guns, will now be done after the go-ahead by the CCS.

These guns boast a range of up to 48 kilometres and are being adapted into Mounted Gun Systems (MGS) by integrating them onto trucks. Trials for the MGS are slated to conclude by 2026.

The Defence Research and Development Organisation (DRDO) began the ATAGS

The Indian Army is set to enhance its artillery capabilities with the approval of a Rs 7,000 crore deal for Advanced Towed Artillery Gun Systems (ATAGS). This move focusses on modernising and increasing the range and firepower.

project in 2013 to replace older army guns with a modern 155mm artillery gun system. Bharat Forge and Tata Advanced Systems Limited have manufactured the gun.

The order will be divided between Bharat Forge, which emerged as the lowest bidder for the ATAGS tender, to manufacture and supply 60% of the guns, while the remaining 40% will be produced by TASL.

"We aim to sign the ATAGS contract by the end of this fiscal year," General Dwivedi had confirmed earlier.

After the Galwan clash in 2020, the Indian Army has remained focused on multiplying its deployments along the LAC. The ATAGS will be a major addition to the artillery strength along these borders with China where India is maintaining an aggressive defence posture. The ATAGS also ensure the Army's commitment to indigenous solutions, aligning with the government's 'Make in India' initiative.

Besides ATAGS, the Army will also enhance the Pinaka strength in its arsenal. Currently, the Army operates four regiments of Pinaka while plans are underway to eventually expand this to 22 regiments. The Pinaka rocket system, has seen its range extended to 72 kilometres, with ongoing efforts to increase it further to 90 kilometres and beyond. According to sources, the system's range could eventually be extended to 120 kilometres, surpassing the current 90 kilometers

range of the Russian-origin Smerch system. Additionally, the Army plans to bolster its fleet of K9 Vajra self-propelled artillery systems. The existing 100 K9 Vajra guns, which have proven their effectiveness in desert, plain, and high-altitude conditions such as Ladakh, will be complemented by an additional 100 units by the end of 2025.

NEWS BOX

London's Heathrow Airport closed for 24 hours after huge fire at power substation

world. London's Heathrow Airport on Friday announced that it will remain shut for at least 24 hours after a fire at a nearby electrical substation caused a significant power outage. All arrival and departure flights to the airport have been cancelled."Due to a fire at an electrical substation supplying the airport, Heathrow is experiencing a significant power outage. To maintain the safety of our passengers and colleagues, Heathrow will be closed until 23h59 on 21 March. Passengers are advised not to travel to the airport and should contact their airline for further information. We apologise for the inconvenience," announced Heathrow Airport.

However, there is no clarity on when one of Europe's busiest airports will Meanwhile, 10 fire engines have been rushed to the spot where the fire was reported from, nearly 3 kilometres north of Heathrow. The massive fire has left thousands of houses in West London without power, according to local media reports.resume operations, said a spokesperson.

Several Flights From Bali Cancelled After Volcano Erupts For Over 11 Minutes

world. At least seven international flights from Indonesia's resort island Bali have been cancelled, an airport official said Friday, after a volcano in the archipelago nation's east erupted, shooting dark ash eight kilometres into the sky.Mount Lewotobi Laki-Laki, a 1,703-metre (5,587-foot) twin-peaked volcano on the tourist island of Flores, erupted for 11 minutes and nine seconds late Thursday, authorities said, raising the volcano's alert status to the highest level.

As of 9:45 am (0145 GMT) Friday, "seven international flights had been cancelled, six of them are Jetstar flights bound to Australia and one Air Asia flight to Kuala Lumpur," Bali's Ngurah Rai International Airport spokesman, Andadina Dyah, said in a statement.Several other flights -- both domestic and international, including to Thailand, Singapore and Australia -- have been delayed, it said.

The local airport in Maumere, on Flores, the closest to the volcano, has not been affected by the ash, according to the transportation ministry.

"The ash column was observed grey to black with thick intensity," Indonesia's volcanology agency said in a statement about the eruption, which began at around 11:00 pm on Thursday.

There were no reports of damages to nearby villages, but the agency warned residents of the potential for volcanic mudflow due to heavy rainfall.

he long eruption prompted the country's geological agency to raise the volcano's alert level to the highest of the four-tiered system.Authorities imposed an exclusion zone between seven and eight kilometres (four to five miles) around the volcano, the agency added.In November, Mount Lewotobi Laki-Laki erupted multiple times, killing nine people, cancelling scores of international flights to the tourist island of Bali and forcing thousands to evacuate.

Significant Portion Of World's Rural Population May Not Have Been Counted, Study Claims

world. The global population may have been undercounted with billions not accounted for, a new study, published in the journal Nature Communications has claimed. As per the UN estimates, the current world population is around 8.2 billion and is projected to peak at over 10 billion by mid-2080. However, the researchers at Aalto University in Finland found that rural population figures in these estimates could have been undercounted anywhere between 53 per cent to 84 per cent over the study period between 1975 and 2010.

"For the first time, our study provides evidence that a significant proportion of the rural population may be missing from global population datasets," said Josias Lang-Ritter, a PhD scholar who was involved with the study."The results are remarkable, as these datasets have been used in thousands of studies and extensively support decision-making, yet their accuracy has not been systematically evaluated," he added.

For the study, researchers analysed the five most widely used global population datasets (WorldPop, GWP, GRUMP, LandScan, and GHS-POP) that map the planet in evenly spaced, high-resolution grid cells with population counts based on census data.

It highlighted that there were "fundamental limitations" with the national population census while gauging rural populations. Citing an example, the researchers claim that the 2012 census in Paraguay "may have missed a quarter of the population"."Communities in remote locations or impacted by conflict and violence are difficult to access, and census enumerators often face language barriers and resistance to participation," it stated.Since the study focused on maps for the period 1975-2010 owing to a lack of data from later years, findings showed the 2010 datasets had the least bias, "missing between one-third (32 per cent) to three-quarters (77 per cent) of the rural population".

Acted "In Accordance With The Law": China On Executing 4 Canadians

Beijing. China said on Thursday it acted "in accordance with the law" despite condemnation from Canada over the execution of four Canadian citizens in recent weeks.Canada's Foreign Minister Melanie Joly told reporters in Ottawa on Wednesday that China had executed four Canadian citizens in recent weeks, defying pleas from Ottawa for leniency."We strongly condemn the executions that did happen against Canadians in China," Joly said.She said she was unable to discuss details of the case due to privacy requests from the affected families.However, Beijing suggested on Thursday the Canadians had been convicted over narcotics offences, saying "... combating drug crimes is the common responsibility of all countries"."China is a country under the rule of law," foreign ministry spokeswoman Mao Ning said.Beijing, she said, "treats defendants of different nationalities equally without discrimination" and "handles cases fairly in strict accordance with the law".China "protects the legitimate rights of the parties concerned as well as the consular rights of the Canadian side, in accordance with the law", Mao said.Beijing also defended the executions in a statement sent to Canada's Globe and Mail newspaper."Drug-related crime is a severe crime recognised worldwide as extremely harmful to the society," the embassy statement said."China always imposes severe penalties on drug-related crimes and maintains a 'zero tolerance' attitude towards the drug problem."Joly said she and former prime minister Justin Trudeau, who left office last week, had asked China for leniency.China classifies death penalty statistics as a state secret, although rights groups including Amnesty International believe thousands of people are executed in the country every year.Beijing said this week a former Chinese engineer had recently been sentenced to death for leaking state secrets to a foreign power.Relations between Beijing and Ottawa have been tense in recent years.The arrest of a senior Chinese telecom executive on a US warrant in Vancouver in December 2018 and Beijing's retaliatory detention of two Canadians on espionage charges plunged relations into a deep freeze.Ties were strained further over allegations of Chinese interference in Canadian elections in 2019 and 2021, charges Beijing has denied.Joly expelled a Chinese diplomat in 2023 accused of targeting a Canadian opposition lawmaker who has been a vocal critic of the ruling Communist Party in Beijing, as well as his family.Ottawa has also criticised a security crackdown in Hong Kong and China's treatment of its Uyghur Muslim minority.

Judge blocks Trump move to deport Indian student over alleged Hamas link

The Department of Homeland Security has accused Badar Khan Suri of ties to the Palestinian militant group Hamas and said he had spread Hamas propaganda and antisemitism on social media.

world. A federal judge ordered President Donald Trump's administration not to deport Badar Khan Suri, an Indian man studying at Washington's Georgetown University whose lawyer has said the United States was seeking to remove him after it accused him of harming US foreign policy.The order is to remain in effect until lifted by the court, according to the three-paragraph order by US District Judge Patricia Giles in Alexandria, Virginia.The Department of Homeland Security has accused Badar Khan Suri of ties to the Palestinian militant group Hamas and said he had spread Hamas propaganda and antisemitism on social media. On March 15, Secretary of State Marco Rubio determined Suri could be deported for those activities, according to DSuri is living in the US on a student visa and is married to an American citizen and has been detained in Alexandria, Louisiana, according to his lawyer. He is awaiting a court date in immigration court, his lawyer said.Federal agents arrested him outside his home in Rosslyn, Virginia, on Monday night. The lawyer welcomed Thursday's ruling and called it "the first bit of due process Dr. Khan Suri has received since he was snatched from his family Monday night."The American Civil Liberties Union also defended Suri and said he was "transferred to multiple immigration detention centers" before being taken to Alexandria, LouisianDHS did not immediately respond to a request for comment on Thursday's court order.The case comes as Trump seeks to deport foreigners who took part in pro-Palestinian protests against US ally Israel's war in Gaza following an October 2023 Hamas attack. Trump's measures have sparked outcry from civil rights and immigrant advocacy groups who accuse his administration of unfairly targeting political critics by invoking rarely used laws.Suri is a postdoctoral fellow at Georgetown's Alwaleed Bin Talal Center for Muslim-Christian Understanding, which is part of the university's School of Foreign Service.

Suri's wife, Mapheze Saleh, is a US citizen, said his lawyer. Saleh is from Gaza, according to the Georgetown University website, which said she has written for Al Jazeera and Palestinian media outlets and worked with the foreign ministry in Gaza. Saleh has not been arrested, the lawyer added.he lawyer had said on Wednesday Suri was being targeted for his wife's Palestinian heritage and for his own pro-Palestinian views.Some media outlets, including the Washington Post, reported that Ahmed Yousef, the father of Suri's wife, was a former political adviser to Hamas. Yousef had also written for some Western publications like The Guardian.Earlier this month, the Trump administration arrested and sought to deport Columbia University student Mahmoud Khalil over his participation in pro-Palestinian protests.

Gaza under fire again: Over 400 killed as Palestinians try to flee relentless strikes

world. The air is thick with dust and grief in northern Gaza. From across the Israeli border, the scale of destruction is visible—crumbling buildings, blackened facades, and plumes of smoke rising from the latest bombardment. In Gaza City, the Al-Ahli hospital is overwhelmed. Bloodied stretchers arrive one after another, carrying those wounded in the overnight airstrikes. Inside, a woman breaks down as she identifies a loved one, her cries cutting through the heavy silence of mourning.

In Jabalia, the remnants of a residential building tell a grim story of a strike that left families homeless. Rubble is all that remains of what was once a home, while residents dig through the wreckage, searching for survivors. In Al-Mawasi, what was supposed to be a place of refuge has become another site of tragedy—a tent camp for displaced people now reduced to twEvacuation orders have forced thousands to flee, clutching only what they can carry. The streets are filled with people walking in desperation, unsure of where safety lies. The war has left no corner untouched, no

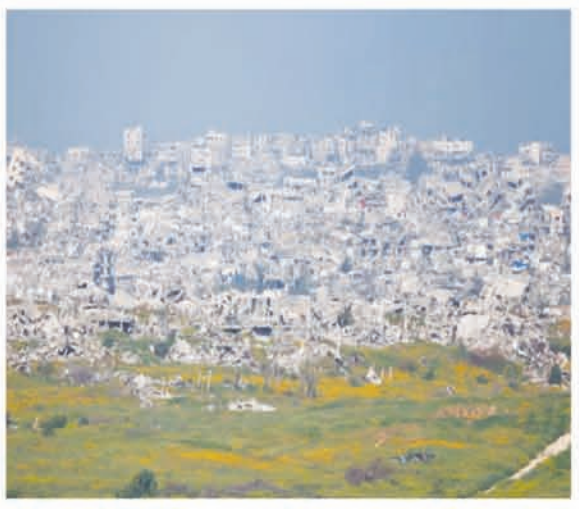

family unaffected.As the bombardment intensifies, the humanitarian crisis worsens. With limited access to medical care, food, and clean water, survival itself becomes an uphill battle. In Khan Younis, a man stands in front of the ruins of a home, staring at the destruction, knowing that this war has already taken too much.

isted metal and torn fabric after being hit.The latest escalation follows 15 months of war that began on October 7, 2023, when Hamas-led gunmen stormed Israeli border towns, killing about 1,200 people and abducting 251 hostages, according to Israeli authorities. In response, Israel launched a relentless military campaign that has killed more than 48,000 Palestinians, according to Gaza health officials, while devastating much of the enclave's infrastructure and forcing nearly its entire 2.3 million population into displacement.

Pakistan Army Captain, 10 Terrorists Killed In Operation In Khyber Pakhtunkhwa

Weapons and ammunition were seized from the killed terrorists who were involved in numerous attacks.

Peshawar.A Pakistani Army captain and at least 10 terrorists associated with a banned outfit were killed during a gunfight in Khyber Pakhtunkhwa's Dera Ismail Khan district, the Inter-Services Public Relations (ISPR) has said.The intelligence-based operation (IBO) was conducted on Thursday following reports of the presence of terrorists in the area, a statement from the military's media wing said.

It said that during the intense fire exchange, Captain Hasnain Akhtar fought gallantly and made the ultimate sacrifice, leading his troops from the front."Hasnain was a brave officer and renowned for his courage and bold and daring actions during previous operations," it said.The ISPR said weapons and ammunition were seized from the killed terrorists who were involved in numerous attacks against law enforcement agencies as well as target killing of innocent civilians.

It further said, "A sanitisation operation is being conducted in the area and the security forces are determined to wipe out the menace of terrorism from the country. Such sacrifices of brave young officers further strengthen our resolve." The country has been reeling under increased terrorist attacks especially targeting law enforcers and security forces since the Taliban returned to power in Afghanistan in 2021, particularly in the bordering provinces of Khyber Pakhtunkhwa and Balochistan.The country witnessed a surge in terror attacks in January 2025 - an increase of 42 per cent compared to the previous month -- according to data released by the Pakistan Institute for Conflict and Security Studies (PICSS), a think tank.The data revealed that at least 74 terrorist attacks were recorded nationwide, resulting in 91 fatalities, including 35 security personnel, 20 civilians, and 36 terrorists. Another 117 individuals sustained injuries, including 53 security forces personnel, 54 civilians, and 10 terrorists.Khyber Pakhtunkhwa remained the worst-affected province, followed by Balochistan. In Khyber Pakhtunkhwa's settled districts, terrorists carried out 27 attacks, resulting in 19 fatalities, including 11 security personnel, six civilians, and two terrorists.The tribal districts of Khyber Pakhtunkhwa (erstwhile Fata) witnessed 19 attacks, resulting in 46 deaths, including 13 security personnel, eight civilians, and 25 terrorists

Over 70,000 South African White People Express Interest In Trump's Plan To Give Them Refugee Status

world. White South Africans demonstrate in support of US President Donald Trump in front of the US embassy in Pretoria, South Africa. (IMAGE: AP PHOTO)White South Africans demonstrate in support of US President Donald Trump in front of the US embassy in Pretoria, South Africa. (IMAGE: AP PHOTO)The United States Embassy in South Africa said Thursday it received a list of nearly 70,000 people interested in refugee status in the US under President Donald Trump's plan to relocate members of a white minority group he claims are victims of racial discrimination by their Black-led government.The list was given to the embassy by the South African Chamber of Commerce in the US, which said it became a point of contact for white South Africans asking about the program announced by the Trump administration last month.The chamber said the list does not constitute official applications.Trump issued an executive order on Feb. 7 cutting US funding to South Africa and citing "government actions fueling disproportionate violence against racially disfavored landowners."Trump's executive order specifically referred to Afrikaners, a white minority group who are descendants of mainly Dutch and French colonial settlers who first came to South Africa in the 17th century.The order directed Secretary of State Marco Rubio and Secretary of Homeland Security Kristi Noem to prioritize humanitarian relief to Afrikaners who are victims of "unjust racial discrimination" and resettle them in the US under the refugee program.There are approximately 2.7 million Afrikaners in South Africa, which has a population of 62 million.Trump's decision to offer some white South Africans refugee status went against his larger policy to halt the US refugee resettlement program.The South African government has said that Trump's allegations that it is targeting Afrikaners through a land expropriation law are inaccurate and largely driven by misinformation.Trump has posted on his Truth Social platform that Afrikaners were

having their farmland seized, when no land has been taken under the new law.The executive order also criticized South Africa's foreign policy, specifically its decision to accuse Israel of genocide against Palestinians in Gaza in a case at the United Nations' top court.The Trump administration has accused South Africa of supporting the Palestinian militant group Hamas and Iran and taking an anti-American stance.The US has also expelled the South African ambassador, accusing him of being ati-America and anti-Trump.An official at the US Embassy in the South African capital, Pretoria, confirmed receipt of the list of names from the South African Chamber of Commerce in the US but gave no more detail.Neil Diamond, the president of the chamber, said the list contains 67,042 names. Most were people between 25 and 45 years old and had children.He told the Newzroom Afrika television channel that his organization had been inundated with requests for more information since Trump's order and had contacted the State Department and the embassy in Pretoria "to indicate that we would like them to make a channel available for South Africans that would like to get more information and register for refugee status."That cannot be the responsibility of the chamber," he said.

Diamond said only US authorities could officially register applications for resettlement in the US. The US Embassy in South Africa said it is awaiting further instructions on the implementation of Trump's order.

NEWS BOX

IPL 2025: Virat Kohli eyes special landmarks in KKR vs RCB opener

New Delhi. Virat Kohli is set to become only the third batter to score 1000 or more runs in the Indian Premier League (IPL) against the Kolkata Knight Riders (KKR). The others are David Warner and Rohit Sharma. The 36-year-old Kohli is also the fourth-highest run-scorer against KKR after Warner, Rohit and Suresh Raina.The Delhi-born Kohli has a chance to touch the 1000-run mark when RCB lock horns with the Knights in the opening match of IPL 2025 on Saturday, March 22 at the iconic Eden Gardens in Kolkata.David Warner - 1093 runs from 28 matchesRohit Sharma - 1070 runs from 34 matches

Suresh Raina - 966 runs from 28 matches

Virat Kohli - 962 runs from 35 matches

Kohli nearing another milestone

No player in the history of the IPL apart from Kohli has more than 1000 runs against two or more opponents. Kohli has scored over 1000 runs against Delhi Capitals, Chennai Super Kings and Punjab Kings. He is now on the cusp of achieving the feat against a fourth team.

David Warner has over 1000 IPL runs against PBKS and the Knight Riders. Rohit, on the other hand, has achieved the landmark against KKR and the Kings. Kohli is currently the all-time top run-scorer in IPL history with 8004 runs from 252 matches.

Kohli recently arrived in Kolkata for the IPL opener and quickly dove into an intense training session. He impressed everyone with his batting prowess, hitting four sixes during the nets, facing bowlers Liam Livingstone and Josh Hazelwood. Although not the official captain of RCB, Kohli took the lead in interacting with his teammates, showcasing his natural leadership abilities.

His practice followed a focused five-step routine: starting with throwdowns in the nets, moving between three different nets, and practising big shots beyond the nets. Despite an initial struggle, Kohli soon found his groove, displaying his signature skill and elegance at the crease.

IPL 2025: BCCI abolishes rule of banning captains for over-rate offences

New Delhi. Captains in the Indian Premier League (IPL) wouldn't be banned for over-rate offences. Instead, they will be handed demerit points. The decision was taken at the captains' meeting at the BCCI headquarters in Mumbai on Thursday, March 20. Earlier, a captain faced a one-match suspension and a fine of Rs 30 lakhs for a third offence of slow over-rate.

Due to the previous rule, Hardik Pandya won't be a part of MI's opening game against Chennai Super Kings (CSK) on Sunday, March 23 at the MA Chidambaram Stadium. In his place, Suryakumar Yadav will lead them at the Chepauk.Rishabh Pant was also banned for a match last season while he was a part of the Delhi Capitals (DC). Pant will now play for the Lucknow Super Giants (LSG) after becoming the most expensive player in IPL history at Rs 27 crore.

"A Level 1 offence will lead to deduction of 25 to 75 percent match fees with demerit points which will be calculated for next three years. Level 2 offence if serious will result in four demerit points," a BCCI source said, as quoted by PTI.

"For every four demerit points accumulated, the match referee can impose a penalty, either in the form of a 100 percent fine or additional demerit points. These demerit points could convert into a match ban in the future but for slow overrate there won't be a match ban," the BCCI source added.The BCCI also revoked the ban on using saliva to shine cricket balls. The rule was introduced back in 2020 in the wake of the dreaded Covid-19 pandemic. But after the captains voiced their opinions on the captain's meet, the BCCI did away with the rule.Kolkata Knight Riders (KKR) and Royal Challengers Bengaluru (RCB) will face off in the opening game on March 22 at the Eden Gardens in Kolkata.

Sreesanth backs Umran Malik to bounce back: Forget the past, believe in yourself

New Delhi. World Cup-winning former fast bowler Santhakumaran Sreesanth has urged young pacers in the country to recognise the importance of commitment and recovery. Backing the injury-prone Umran Malik to make a strong comeback, Sreesanth emphasised the need to focus on match fitness and smart field management to achieve consistent success.Speaking to IndiaToday.in, the JioStar expert cited quotes from Kapil Dev and Virat Kohli to inspire young fast bowlers struggling with injuries amid a demanding cricket calendar.What you do in the off-season is crucial. It's not just about on-field efforts; what you do off the field is equally significant. I was very fortunate during my time-we had a strong foundation at the MRF Pace Academy, especially when dealing with injuries. We had Ramji Srinivasan Sir as our strength and conditioning coach. Even Sachin Paaji would say the same," Sreesanth said.As IPL 2025 approaches, a number of young Indian fast bowlers have been grappling with injuries. Umran Malik, released by SunRisers Hyderabad, was set to play for defending champions Kolkata Knight Riders this season. However, the 25-year-old express pacer was ruled out just days before the tournament due to injury.

Umran burst onto the scene in 2021, delivering thunderbolts exceeding 150kph. Following a successful stint with SunRisers in 2022, he played 10 ODIs and 8 T20Is, but injuries and illness have since hampered his progress. He has not played competitive cricket since IPL 2024, where he featured in just one game for the SunRisers. A hip fracture ruled him out of the 2024-25 domestic season.THIN LINE BETWEEN FOOLISHNESS AND

Sreesanth praised Umran for his commitment to raw pace but urged him to be smarter with his training, recovery, and understand the fine line between 'bravery and foolishness'.

"This generation has many distractions-I won't question that. But whatever you do, never miss a training session. You must not skip flexibility exercises, meditation, or visualisation. You can't expect results just by hitting the gym and then performing on the field. You need a structured routine-it has become so professional. Whether in the IPL or elsewhere, India has immense talent.

"My advice to Umran - he's a great guy with immense talent. Match fitness is key. You need to play regularly; just working out won't bring results. You must know when to accelerate, rather than bowling at 150kph every delivery. Understanding when to push hard and how to structure training sessions is

essential. Kapil Paaji always used to say, 'The more you bowl, the better you get.'

"He needs to understand the fine line between foolishness and bravery. That's what Ramji Sir used to emphasise-there's a very fine line. Be brave enough never to skip a training session. Stay consistent"

'DON'T CALL IT SACRIFICE'

Sreesanth also quoted Virat Kohli on why working hard for one's passion is not a sacrifice, urging young fast bowlers to give their all and seize opportunities."The most important aspect for any fast bowler or athlete is recovery. Recovery isn't just about going out for dinners or socialising. It includes swimming pool sessions, ice baths, and proper nutrition. One of the most crucial elements is controlling what you eat," he said.Also Read: IPL 2025: Will KKR captain Ajinkya Rahane silence doubters in new season?

"Forget the past; focus on the new day. I have great confidence in Umran and Mayank Yadav, for that matter. It's about having the belief: 'I will play for my country and win matches for my team.' To achieve that, you must adhere to a disciplined routine.

"I wouldn't call it a sacrifice. A year ago, Virat said something profound-'There is no such thing as sacrifice if you love the game.' When pursuing a passion, it isn't sacrifice. Missing parties and functions isn't a sacrifice. You need to be in the gym and on the ground.

"What's done is done. Move forward and focus on playing more. Life is a long journey, and many franchises will come calling."

While KKR will miss Umran, Lucknow Super Giants are also facing concerns over the fitness of their young pacers-Mayank Yadav, Mohsin Khan, and Avesh Khan. Meanwhile, Mumbai Indians will be without Jasprit Bumrah for the first two weeks of IPL 2025.

Swiss Open 2025: Sankar Subramanian stuns World No. 2 Antonsen to reach quarters

New Delhi. World No. 64 Sankar Subramanian Muthusamy secured the biggest victory of his senior career, defeating World No. 2 Anders Antonsen in the pre-quarterfinals of the Swiss Open, a Super 300 tournament in Basel, on Thursday, 20 March. The 21-year-old fought back from behind to win in three games-18-21, 21-12, 21-5- in a 66-minute battle.Sankar, a former junior World No. 1, led 16-14 in the opening game but allowed Antonsen, who is more accustomed to the conditions in Basel, to mount a comeback and take the first game. However, Sankar regrouped in the second, refusing to let Antonsen find his rhythm. Relying on his solid defence, the youngster frustrated his higher-ranked opponent, who struggled with unforced errors. Sankar led 18-9 and comfortably closed out the game.The deciding game was a one-sided affair, with

Sankar dominating from the outset. The Chennai shuttler led 11-3 at the interval and never looked back.A silver medallist at the 2022 World Junior Championships, Sankar entered the Swiss Open as a qualifier and has now reached the quarterfinals of a Super 300 tournament for the second time this year. In January, he made the last eight at the Thailand Masters.

Sankar will face World No. 31 Christo Popov of France in the quarterfinals on Friday.

SRIKANTH, PRIYANSHU OUSTED

Meanwhile, there was disappointment for India's senior shuttlers, as Kidambi Srikanth and Priyanshu Rajawat both exited in the second round.

Kidambi, who had advanced past HS Prannoy in the opening round, fell tamely to China's World No. 6 Li Shi Feng, losing 15-21, 11-21 in under 40 minutes.

France's Toma Popov defeated Rajawat 21-15, 21-17 in a 47-minute contest. Rajawat had earlier beaten Switzerland's Tobias Kuenzi in straight games.However, there was good news in the women's doubles, as Gayatri Gopichand and Treesa Jolly continued their strong run, reaching the quarterfinals after a straight-games victory over Germany's Amelie Lehmann and Selin Hbsch.

IPL 2025: R Ashwin meets D Gukesh at Chepauk, plays chess with world champion

New Delhi. R Ashwin had a heartfelt meeting with D. Gukesh at the MA Chidambaram Stadium in Chennai. Ashwin, who has returned to play for the Chennai Super Kings (CSK) in the Indian Premier League (IPL) after a nine-year absence since 2015, was thrilled to meet Gukesh, the youngest world chess champion.

Ashwin greeted Gukesh with a handshake and presented him with a CSK jersey bearing 'Gukesh' on the back. The two then played a game of chess, after which Ashwin signed the chessboard. The 18-year-old Gukesh was ecstatic after the interaction with the legendary Indian off-spinner.The official social media of CSK uploaded the video with the caption, "World champion of chess! A Chennai paiyan at heart! A sparring with Ashwin! Introducing Chennai Superstars! Get set to meet Gukesh and his love for the city!

D Gukesh shines for India

2024 was a milestone year for Gukesh, as he became only the second Indian, after the legendary Viswanathan Anand, to win the World Chess Championship. Gukesh triumphed over China's Ding Liren in a thrilling title match in Singapore.He also broke Garry Kasparov's record, becoming the youngest world chess champion and the first teenager to win the title. Earlier this year, Gukesh reached a career-best No. 3 in the FIDE classical ratings.In January, Gukesh was honoured with the prestigious Major Dhyan Chand Khel Ratna award by President Droupadi Murmu. He was one of four sportspersons to receive the award, alongside Manu Bhaker, Harmanpreet Singh, and Paralympian Praveen Kumar.

Will Ashwin play against MI?

As for Ashwin, he has taken 180 wickets in the IPL from 212 matches at an economy rate of 7.12. In addition to playing for CSK, Ashwin has also represented the now-defunct Rising Pune Supergiants, Punjab Kings, and Delhi Capitals.It remains to be seen whether Ashwin will be included in CSK's lineup when the team, led by Ruturaj Gaikwad, plays their opening match against Mumbai Indians on Sunday, March 23, at Chepauk.

Spotlight on new rules, fresh leaders, and saliva ban reversal as IPL kicks off

- The International Cricket Council had made the saliva ban permanent in 2022, but the IPL operates under its own regulations and the latest move could set a precedent for the global game.

KOLKATA. New rules and new captains will be in focus but the razzmatazz will be pretty much the same when the 18th Indian Premier League kicks off here on Saturday with defending champions Kolkata Knight Riders taking on perennial underachievers Royal Challengers Bengaluru amid a looming threat of rain.There is plenty to look forward in the league.Among the most prominent rule changes is the lifting of saliva ban.For the first time since the COVID-19 pandemic, bowlers will be allowed to use it to shine the ball.The BCCI lifted the ban after receiving a majority consensus from IPL captains in a landmark decision taken at thecaptains' meeting in Mumbai.The International Cricket Council had made the saliva ban permanent in 2022, but the IPL operates under its own regulations and the latest move could set a precedent for the global game.The 18th season will also witness tactical innovations, including a major change to counter dew's impact.The second innings of evening matches will see a fresh ball introduced from the 11th over, provided the on-field umpires deem the dew factor significant as the trend of high-scoring games is likely to continue.

However, this rule will not apply to afternoon games.Additionally, the Decision Review System has been expanded to include height wides and off-side wides, ensuring a fairer adjudication of deliveries.Despite debates about its influence on the game, the Impact Player rule remains in place.As many as seven teams will start IPL 2025 under new leadership, although some of them will be a stop-gap arrangement due to varied reasons.The most surprising of them all is Rajat Patidar, who is yet to play a T20I for India, leading the RCB team that features mega-star Virat Kohli.Axar Patel takes charge of Delhi Capitals to lead, among others, his Team India senior KL Rahul, who would be aiming to shake off the disappointment of a turbulent stint with Lucknow Super Giants in 2024.Shreyas Iyer, fresh off leading KKR to glory in 2024, will don the captain's armband for Punjab Kings with Ajinkya Rahane replacing him in the Kolkata team.Rajasthan Royals will start the season with Riyan Parag as interim captain for the first three matches due to Sanju Samson's recovery from a finger injury taking longer than expected.Mumbai Indians will be led by Suryakumar Yadav in their away opener against Chennai Super Kings on Sunday, as Hardik Pandya serves a suspension for an over-rate violation from last season.ant's redemption arcRishabh Pant is set to begin a crucial new chapter in his career after his resolute comeback from a life-threatening accident became part of cricketing lore.

Gautam Gambhir heads to France for family holiday after Champions Trophy win

- Gautam Gambhir recently coached India in the Champions Trophy
- India won the Champions Trophy after beating New Zealand in the final
- Gambhir went on a holiday trip along with his wife and daughters

New Delhi. Indian men's head coach Gautam Gambhir headed to France for a family trip with his wife Natasha and their two daughters, Aazeen and Anaiza. Gambhir went on to the trop after India won the 2025

Champions Trophy, marking their third win in the prestigious tournament, following their successes in 2002 and 2013.On March 9, India beat New Zealand by four wickets in the final to lift the title at the Dubai International Cricket Stadium. This holiday comes as a well-deserved break for the former Indian batter after a hectic international cricket, and he is set to enjoy quality time with his beloved family members in the scenic French countryside.India also clinched back-to-back ICC titles, having won the Men's T20 World Cup the previous year in the West Indies and the United States. Gambhir, under pressure after India's loss in the Border-Gavaskar Trophy in Australia, responded brilliantly to lead India to victory in the Champions Trophy.

Last year, under Gambhir's mentorship, Kolkata Knight Riders (KKR) triumphed in the Indian Premier League (IPL). Following his remarkable success with the three-time IPL champions, Gambhir was appointed head coach of the Indian team, succeeding Rahul Dravid after the T20 World Cup.

To honour the Indian team's outstanding performance in Dubai, the Board of Control for Cricket in India (BCCI) announced a generous prize of Rs 58 crore. India topped Group A with victories over Bangladesh, Pakistan, and New Zealand.In the semifinals, they defeated Australia before edging past New Zealand in the final. The Indian cricketers are currently engaged in the Indian Premier League (IPL) with their respective franchises.

When Saif Ali Khan Said

Katrina Kaif

Is Hotter Than Wife Kareena Kapoor

Only Karan Johar can make celebrities confess what they keep hiding from the world. The ace director once made Saif Ali Khan pick between his wife Kareena Kapoor and Phantom co-star Katrina Kaif as he asked the actor to choose between the two in terms of 'hotness'. The intriguing conversation took place when Saif and Katrina were on the sets of Jhalak Dikhla Jaa season 8 to promote their film Phantom.Karan Johar, who was one of the judges along with the actor Shahid Kapoor on the show, asked Saif Ali Khan who is hotter – Kareena Kapoor Khan or Katrina Kaif. Can you guess his answer? No, it's not what you think. Replying, he said, "I am very professional. Katrina is hotter."

Teasing him, Karan went on to mention repeatedly that the actor finds Katrina hot instead of his wife. As he continued to joke around Saif's response, the actor changed his answer and said that Kareena was the hottest among all. For Saif, Katrina was next to Kareena followed by Deepika Padukone, Priyanka Chopra and Sonam Kapoor.

As the clip progressed, Karan Johar asked the same question to Shahid Kapoor. Proving his loyalty, the latter responded that his favourite was his wife Mira Kapoor, followed by Katrina Kaif whom he found hot. The filmmaker then moved to Katrina, asking her who was the sexiest among Ranbir Kapoor, Ranveer Singh, Varun Dhawan, Saif Ali Khan and Shahid Kapoor. The actress was quick enough to respond, "Ranbir Kapoor."

Shahid Kapoor and Kareena Kapoor dated for quite some time. The duo decided to part ways in 2006, leaving their fans shocked. Later, Kareena and Saif Ali Khan fell in love and the duo took the plunge to get married. Now, the couple is proud parents to two sons – Taimur and Jeh, the Internet sensations who keep melting hearts with their paparazzi appearances and cute antics.As for Phantom, the 2015 released stars Saif Ali Khan and Katrina Kaif in lead roles. Zeeshan Ayyub and Sabyasachi Chakraborty also played supporting roles in the film, directed by Kabir Khan.

Sonam Kapoor's

Baby Boy Vayu Turns 'Swag' Mode On. Not Our Words

Anand Ahuja and Sonam Kapoor are doting parents to their baby boy, named Vayu Kapoor Ahuja, whom they welcomed in August 2022. Despite their busy working schedule, they always make time to spend with their little munchkin and often share glimpses from their family outing. On Thursday, Anand posted an adorable snap on Instagram from his day off with Vayu. Sharing the picture on stories, he wrote, "Swag."In the snapshot, the little kid is seen posing with his back to the camera and standing inside what seems like a big hall. Vayu exuded sheer 'swag' in a black funky co-ord set paired with black and grey sneakers. Sonam also re-shared the picture on Instagram stories.

Recently, Anand dropped a string of pictures with his wife Sonam and son Vayu, showcasing how the Ahuja clan spent their winter vacations in the UK.The carousel post begins with a picture of the father-son duo doing some shoe shopping, while some of them featured Vayu walking with his parents and enjoying his time outdoors. In one of the snaps, Anand and Vayu are seen taking a stroll in a toy car. It also depicted a few pictures of the kid with his mother Sonam Kapoor.

Sharing the pictures on Instagram, Anand wrote in the caption, "Jan25 #VayusParents #EverydayPhenomenal."

Earlier, Anand expressed his happiness in enjoying daddy duties. He shared a candid video from his day off with his baby boy wherein Vayu is seen wearing a yellow raincoat and playing with colourful balls in a pool, while his adoring father stood behind him and caressed his tiny head. In the caption, he wrote, "Daddy Duty is the best. Esp w Zu chachu."

Anand and Sonam tied the knot in 2018 in a grand wedding ceremony held in Mumbai. Several renowned celebs like the Bachchan family, Aamir Khan, Karan Johar and Ranveer Singh among others.On the work front, Anand is a businessman and the founder of Bhaane, a contemporary retail brand as well as the co-founder of VegNonVeg, India's first multi-brand sneaker store.

Sonam, on the other hand, marked her acting comeback with the 2023 thriller film Blind co-starring Vinay Pathak and Purab Kohli. She will reportedly be next

Shanaya Kapoor Shares New BTS Photo With Vikrant Massey From Aankhon Ki Gustaakhiyan Sets, Fans React

Shanaya Kapoor is all set to make his acting debut with Aankhon Ki Gustaakhiyan. Helmed by Santosh Singh, the film features Vikrant Massey in the lead and is expected to release in mid-2025. Well, today she shared another BTS photo with Vikrant which immediately went viral. Fans also reacted to the photo.Aankhon Ki Gustaakhiyan is reportedly based on Ruskin Bond's short story titled The Eyes Have It. In the film, as per a report by Peeping Moon, the actress will be seen playing a theatre artist, while Vikrant plays a blind musician. The film's plot will delve into the complexities of human relationships, exploring topics such as compassion, resilience, independence, desire and self-belief.

The official release date of the film is yet to be announced.Shanaya has been constantly sharing BTS glimpses from the upcoming film with her fans and admirers on social media. In one of the previous snaps, she posed with the clapboard of the film. The actress looked stunning as she smiled for the camera. Sharing a string of pictures on Instagram, the star kid wrote, "Grateful."

Apart from this, Shanaya will also be seen in an upcoming survival thriller film titled Tu Yaa Main along with actor Adarsh Gourav. Directed by Bejoy Nambiar and produced by Anand L Rai, the film will hit theatres on the occasion of Valentine's Day 2026. Recently, the makers shared a teaser of the film which received good responses from the audience.Taking to her Instagram handle, Shanya shared a photo in which she is cycling with Vikrant and wrote, "frozen memories #AKG." The comment section was swamped with reactions from fans and celebs alike. One of the fans wrote, "Can't wait to see." Another wrote, "Aapki magarmach wali picture kab aayegi? Maheep and Sanjay Kapoor also reacted too.

Fashion Face-Off Or Bro Showdown? Babil Khan And Tiger Shroff Win Both

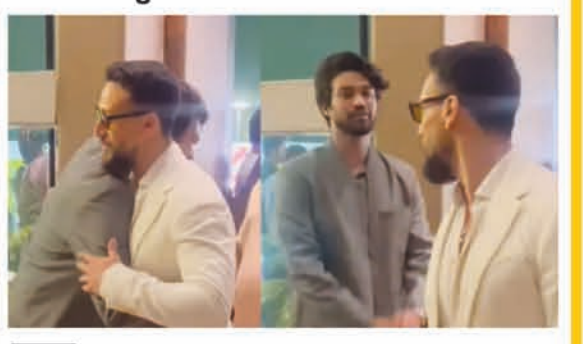

The Grazia Fashion Awards 2025, held on Wednesday night in Mumbai, was a dazzling celebration of innovation and creativity in the fashion and lifestyle industry. The event was a star-studded affair as the who's who of the showbiz arrived in their stylish attires. Several inside videos from the gala night have been surfacing on social media. Among all, the one clip that captured the viewers' attention featured star kids Babil Khan and Tiger Shroff.

The clip shared on Instagram, begins with Babil and Tiger shaking hands and hugging each other like brothers. As it progresses, we see the duo engaging in a casual conversation before the Heropanti actor walks ahead.

Apart from them, other celebs who arrived at the Grazia Fashion Awards 2025 include Samantha Ruth

Prabhu, Ishaan Khatter, Vedang Raina, Triptii Dimri, Tamannaah Bhatia, Malaika Arora, Pashmina Roshan and Jasmin Bhasin among others.Coming back to Tiger, he is currently busy shooting for his upcoming action thriller film Baaghi 4 co-starring Sanjay Dutt, Harnaaz Sandhu and Sonam Bajwa in the lead roles. Directed by A Harsha, known for his South films like Bhajarangi, Chingari and Vedha, the film will be hitting the theatres in September this year.

Avneet Kaur recalls hitting a boy with bat...

Avneet Kaur, who is mainly known for her appearance alongside Rani Mukerji in the 2014 film 'Mardaani', recently shared a disturbing experience from a Holi celebration. During the event, a man allegedly mis-behaved with her, prompting her to react in anger by hitting him with a bat.Talking to Hauterrfly, Avneet shared a vivid account of how she stood up for herself during a Holi celebration.

NAME CHANGE

I, Alok Kumar S/O Jagdish Prasad, address 303, Om Shree Enclave, Airport Road, Near Loyala School, Hinoo, P.O.- Hinoo, P. S- Doranda, District - Ranchi, Jharkhand declare that vide that affidavit number 15364 dt: 21.03.25. My son Abhinaw Raj ,Adh no.402742442078, D.O.B 28.09.08 change his name to Abhinav Gupta for all purpose.